आज का सुविचार
एक उत्कृष्ट बात जो शेर से सीखी जा सकती है, वो ये है कि व्यक्ति जो कुछ भी करना चाहता है, उसे पूरे दिल और जोरदार प्रयास के साथ करे।
चाणक्य

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-10 भोपाल, रविवार 21 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC
पंचांग
मार्गशीर्ष कृष्णा
द्वितीय, रविवार, 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC
मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:37/5:35
वर्षा/बादल %	03 %
नमी %	55 %
वायु (किमी/घ.)	06
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट ITDC
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 50,430

आर्यन खान को आरोपी साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं हैं

मुंबई। क्रूज ड्रग्स केस में 26 दिन हिरासत में रहे आर्यन खान के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पास कोई सबूत ही नहीं था। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली बेल का ऑर्डर शनिवार को सार्वजनिक कर दिया गया। बेल ऑर्डर के साथ कोर्ट ने 14 पन्नों का आदेश देते हुए साफ कर दिया है कि आर्यन और उनके साथियों के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। बेल ऑर्डर के साथ बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है, कोर्ट के सामने ये साबित करने के लिए कोई ऑन-रिकॉर्ड पॉजिटिव सबूत पेश नहीं किए गए हैं कि सभी आरोपी व्यक्ति सामान्य इरादे से गैरकानूनी कार्य करने के लिए सहमत हुए।

700 शहीद किसानों के लिए वरुण ने मांगे एक-एक करोड़

नई दिल्ली। भाजपा सांसद वरुण गांधी खुलकर किसानों के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें किसान आंदोलन के दौरान 700 से ज्यादा शहीद किसानों के लिए एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा मांगा है। साथ ही, लखीमपुर खीरी में 5 किसानों को रौंदने की घटना को लोकतंत्र में काला धब्बा बताया है। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी लिखा है कि तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा का मैं स्वागत करता हूं।

कुलगाम में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में एक आतंकी मार गिराया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक दहशतगर्द को मार गिराया। मारे गए आतंकी की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।। सेना और पुलिस की ओर से अशमुजी इलाके में फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

इंदौर लगातार 5वें साल सबसे साफ

स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 के नतीजे आते ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले-वाह भिया! छा गया इंदौर; भोपाल देश में सातवीं पोजिशन पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में मध्यप्रदेश के इंदौर शहर का एक बार फिर डंका बजा है। इंदौर 5वीं बार भी देशभर में अव्वल आया है। वर्ष 2017 से इंदौर देशभर में नंबर-1 पर आ रहा है। इस बार इंदौर ने सफाई का पंच लगा दिया। सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में भी इंदौर अव्वल रहा। इसमें 12 करोड़ रुपए का पुरस्कार मिला। राज्य कैटेगरी में मध्यप्रदेश को तीसरा स्थान मिला है। मध्यप्रदेश को कुल 35 अवार्ड मिले हैं। इंदौर के पांचवीं पर टॉप रहने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का इंदौरी अंदाज दिखा। उन्होंने ट्वीट किया- वाह भिया! छा गया अपना इंदौर...

राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह और राज्य मंत्री श्री ओ.पी. एस. भदौरिया ने पुरस्कार प्राप्त किया।

दस लाख से ज्यादा आबादी वाले टॉप 20 शहरों में मप्र के चारों बड़े शहर शामिल हैं। इंदौर-, भोपाल-7 ग्वालियर- 15 जबलपुर- 20 नंबर पर है। 10 लाख तक की आबादी में उज्जैन का पांचवा नंबर है। वहीं तीन लाख की आबादी वाले शहर में देवास को छठवां स्थान मिला है। दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति डॉ. रामनाथ कोविंद की मौजूदगी में विजेता शहरों और प्रदेशों को सम्मानित किया जा रहा है। देश के सबसे साफ शहरों की श्रेणी में इंदौर की प्रबल दावेदारी मानी जा रही थी। हुआ भी वैसा ही। साल 2017 से इंदौर नंबर-1 पोजिशन पर है। लगातार पांचवीं बार उसे यह खिताब मिला है। राष्ट्रपति कोविंद ने नंबर-1 पर रहे इंदौर को अवार्ड दिया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मंच पर मौजूद हैं। इंदौर का अवार्ड लेने के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह, इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह, इंदौर निगमायुक्त प्रतिभा पाल आदि दिल्ली पहुंचे थे। भोपाल से भी कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

भोपाल समेत 6 शहरों ने किया था दावा

स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों की श्रेणी में इंदौर-भोपाल समेत उज्जैन, देवास, होशंगाबाद और बड़वाह को नामांकित किया गया था। भोपाल ने सफाई मित्र, स्टार रेटिंग और स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए दावा किया। पिछले साल भोपाल देश के सबसे साफ शहरों में सातवें नंबर पर था। इस बार रैंकिंग में सुधार हुआ है।

नरोत्तम मिश्रा ने दी बधाई

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री और इंदौर के प्रभारी मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि समस्त इंदौर वासियों को बहुत-बहुत बधाई। लोगों की जागरूकता के चलते इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर वन आने का पंच मारा है। इसके लिए इंदौर वासियों को ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं।

हमें उम्मीद है इंदौर की स्वच्छता का यह मिशन एवं अलख पूरे देश में जगेगा और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्वच्छ भारत मिशन पूरे देश में एवं मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह जी के नेतृत्व में नए आयाम स्थापित करेगा।

गहलोत का आधा मंत्रिमंडल बदल जाएगा

रामलाल, बृजेंद्र ओला, राजेंद्र पारीक, संयम लोढ़ा मंत्री बन सकते हैं

» हटने वालों की जगह, उन्हीं की जाति के मंत्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जयपुर

कांग्रेस हाईकमान ने गहलोत सरकार के मंत्रिमंडल फेरबदल को मंजूरी देते हुए फॉर्मूला तय कर दिया है। फेरबदल में 2023 के चुनावी फायदे को ध्यान में रखने का कहा गया है। इस फॉर्मूले के बाद गहलोत मंत्रिमंडल आधा बदल जाएगा। तीन मंत्रियों के इस्तीफे मंजूर हो चुके हैं। आज शाम तक कुछ और इस्तीफे होंगे। मंत्रिमंडल में 12 जगह खाली हो चुकी है। रविवार को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में 10 से 12 नए मंत्री शपथ ले सकते हैं। मंत्री बनने के लिए दावेदारों की लंबी कतार है। 12 पदों के लिए चार गुना नेता मैदान में हैं। हटने वाले

मंत्रियों की जगह उन्हीं की जाति के नेताओं को मंत्री बनाने की ज्यादा संभावना है।

डोटासरा और हरीश की जगह जाट और रघु की जगह ब्राह्मण चेहरे को ही मौका:- गोविंद सिंह डोटासरा, हरीश चौधरी और रघु शर्मा की जगह नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। दो जाट और एक ब्राह्मण चेहरे को मौका मिलेगा। डोटासरा और हरीश चौधरी की जगह जाट चेहरों के तौर पर रामलाल जाट, बृजेंद्र सिंह ओला, हेमाराम चौधरी, नरेंद्र बुडानिया के नाम चर्चा में हैं।

सिद्धू के बिगड़े बोल : करतारपुर में सिद्धू ने इमरान खान को बड़ा भाई कहा

भाजपा बोली- यह कांग्रेस की सोची-समझी साजिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज चंडीगढ़

करतापुर साहिब की यात्रा पर पाकिस्तान गए नवजोत सिंह सिद्धू की बयानबाजी पर सियासत शुरू हो गई है। शनिवार को सिद्धू ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अपना बड़ा भाई बताया है। उन्होंने कहा कि इमरान ने उन्हें बहुत प्यार दिया है। सिद्धू के इस बयान पर भ्रश्नक प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि सिद्धू ने एक बार फिर अपना पाकिस्तान प्रेम दिखाया है। वे हमेशा पाकिस्तान का गुणगान करते रहते हैं। पात्रा ने कहा कि यह कांग्रेस की सोची-समझी साजिश है। पाकिस्तान पहुंचने पर सिद्धू का शाही स्वागत हुआ। पाकिस्तान की धरती पर कदम रखते ही उन पर फूलों की वर्षा की गई। इसके बाद करतारपुर साहिब के ष्टश्चह्न ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पूरा पाकिस्तान

आपका स्वागत करता है। हम लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। इसी बात पर सिद्धू ने कहा कि इमरान मेरे बड़े भाई हैं। उन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया है। इसके बाद माला पहनाकर सिद्धू का स्वागत किया गया।

पहले भी सामने आई नजदीकियां: - सिद्धू की पाक पीएम इमरान खान से नजदीकी पहली बार नहीं है। इससे पहले वे इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंच गए थे। वहां पर उन्होंने पाक आर्मी चीफ कमर बाजवा को गले लगा लिया था। इसके बाद वे करतारपुर कॉरिडोर खोलने को लेकर पाकिस्तान में हुए कार्यक्रम में भी हिस्सा लेने गए था। हालांकि सिद्धू ग्रुप इसे क्रिकेट से जोड़ता है कि दोनों ने एक साथ क्रिकेट खेली, इसलिए इस रिश्ते को राजनीतिक या भारत-पाक के बीच के तल्ख रिश्तों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

85 मिनट के लिए कमला हैरिस बनीं अमेरिका की कार्यवाहक राष्ट्रपति

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को अस्थाई रूप से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सत्ता हस्तांतरित कर दी, जब वह एक घंटे 25 मिनट के लिए एक नियमित जांच के लिए एनेस्थीसिया पर गए। अमेरिका की सत्ता कुछ वक्त के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पास रही। राष्ट्रपति जो बाइडेन शुक्रवार की देर रात हर साल होने वाली कॉलोनोस्कोपी के लिए एनेस्थीसिया पर थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन पास्की ने बताया कि जब बाइडेन एनेस्थीसिया पर थे, उस समय हैरिस ने वेस्ट विंग में अपने ऑफिस से काम किया। बाइडेन अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। आज बाइडेन अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। जन्मदिन से एक दिन पहले वे शुक्रवार सुबह वॉशिंगटन के बाहर वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर गए। वैसे तो वे हर साल चेकअप और इलाज कराते हैं, लेकिन इस साल जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह उनका पहला ट्रीटमेंट है।

लखनऊ पहुंचे मोदी को प्रियंका की चिट्ठीःकहा-

मंत्री के बेटे ने लखीमपुर में किसानों को कुचला, उनके साथ मंच साझा करना कातिलों को संरक्षण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीनों नए कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया है। इसके बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उन्हें चिट्ठी लिखकर लखीमपुर हिंसा केस में कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। प्रियंका ने कहा कि मंत्री अजय मिश्रा %टेनी% के बेटे ने किसानों को कुचला है। यह क्रूरता पूरे देश ने देखी

है। ऐसे मंत्री को हटाया जाना चाहिए। आपका ऐसे मंत्री के साथ मंच साझा करना लखीमपुर नरसंहार के कातिलों को संरक्षण देता है। मोदी को लिखी चिट्ठी में उन्होंने कहा कि अगर किसानों को लेकर आपकी नीयत साफ है, तो अमित शाह और योगी आदित्यनाथ मंत्री अजय मिश्रा के साथ मंच साझा न करें। यह पीड़ित किसानों के परिवारों का अपमान है। उन्हें न्याय तभी मिलेगा, जब आरोपियों को बचाया नहीं जाएगा, इसलिए सबसे पहले मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त करें।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

दिल्ली की हवा आज भी जहरीली : AQI 355 के साथ एयर क्वालिटी बहुत खराब कैटेगरी में, अगले 24 घंटे राहत की उम्मीद नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार सातवें दिन बहुत खराब कैटेगरी में बनी हुई है। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान व अनुसंधान प्रणाली की रिपोर्ट के मुताबिक, आज सुबह 8 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 355 पर था। सफर का कहना है कि कल, यानी रविवार से दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में सुधार आने का अनुमान है। वहीं, दिल्ली से सटे फरीदाबाद, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और नोएडा में भी हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। इन इलाकों में AQI 350 के आसपास बना हुआ है। मालूम हो कि शून्य से 50 के बीच AQI अच्छा माना जाता है। 51 से 100 तक

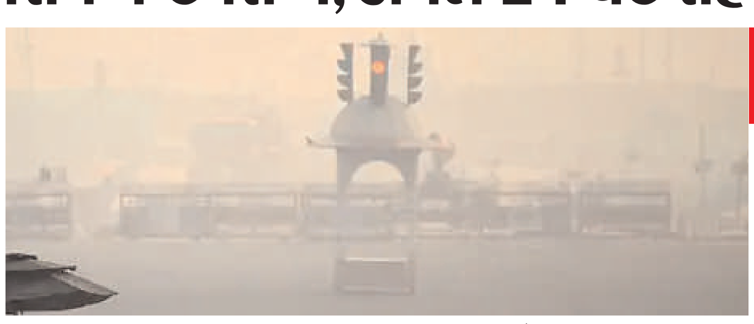

संतोषजनक, 101 से 200 तक मध्यम, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 बहुत खराब और 401 से 500 तक का AQI गंभीर की श्रेणी में आता है।

दिल्ली में गैर-जरूरी सामान ले जाने वाले ट्रकों की एंट्री पर रोक

प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने 10 दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत, शहर में गैर-जरूरी सामान ले जाने वाले ट्रकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। साथ ही अगले आदेश तक स्कूल-कॉलेज बंद किए जा चुके हैं। केजरीवाल सरकार ने 21 नवंबर तक शहर में निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर रोक लगा दी है। इसके अलावा कर्मचारियों को रविवार तक घर से काम करने का भी आदेश दिया गया है।

रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ मुहिम के दूसरे चरण की शुरुआत

दिल्ली सरकार ने शुक्रवार से रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ मुहिम के दूसरे चरण की शुरुआत भी कर दी गई है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने ITO चौक पर पहुंचकर ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े एक बाइक चालक को फूल दिया और उनसे यह गुजारिश की कि जब भी वे रेड लाइट पर गाड़ी खड़ी करें तो इंजन जरूर ऑफ कर दें। गोपाल राय ने कहा कि सर्वे में यह पाया गया है कि दिल्ली में जो वायु प्रदूषण है उसमें सिर्फ 30 फीसदी हिस्सा दिल्ली का है, जबकि बाकी का 70 फीसदी प्रदूषण NCR और दूसरे राज्यों से आता है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण की भी इसमें बड़ी भूमिका है।

रामेश्वर को दिग्विजय की चुनौती:दिग्गी बोले-

मैं कांग्रेसी हूं; जिसमें ताकत हो मेरे घुटने तोड़ दे; 24 को रामेश्वर के घर जाकर रामधुन करुंगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने लंबे समय बाद मप्र विधानसभा के पूर्व प्रोटेम स्पीकर और विधायक रामेश्वर शर्मा को चैलेंज किया है। दिग्विजय ने ट्वीट कर कहा कि मैं कांग्रेसी हूं। जिसमें ताकत हो तो मेरे घुटने तोड़ दे। मैं गांधीवादी हूं। हिंसा का जवाब अहिंसा से दूंगा। 24 नवंबर को मैं महात्मा गांधी की मूर्ति से रामेश्वर शर्मा के घर जाऊंगा। उनके घर जा कर प्रभु से उन्हें सदबुद्धि देने के लिए एक घंटे तक रामधुन करुंगा। बता दें कुछ दिन पहले पूर्व प्रोटेम स्पीकर और विधायक का एक वीडियो सामने आया था। जिसमें रामेश्वर शर्मा दिग्विजय सिंह का नाम ले रहे है। साथ ही कहते है कि क्षेत्र में कोई कांग्रेस का आदमी आए तो उसके घुटने तोड़ दो। बता दें हुजूर विधानसभा सीट से विधायक रामेश्वर शर्मा ने कुछ दिन पहले कलखेड़ा में अतिक्रमण के मामले से जुड़ी एक सभा का वीडियो सामने आया। इसमें शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नाम लेकर कहा कि वो छाती पीटकर गया। आठ महीने पहले वो आए, लेकिन कुछ करके गए क्या? विधायक ने कहा कि

मेहरबानी करो, थोड़ी शांति रखो। किसी मकान को टूटने नहीं देंगे। शर्मा यह भी कहते है कि क्षेत्र में कोई कांग्रेस का आदमी आए तो उसके घुटने तोड़ दो।

कांग्रेस नेता बोले- जल्द इलाज करना पड़ेगा

रामेश्वर शर्मा का वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने पटलवार करते हुए कहा कि पूर्व विधानसभा प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा किस प्रकार लोगों को भड़का रहे हैं, ये कैसी इनकी भाषा है। पहले सिंधी समाज के बारे, फिर राजपूत समाज के बारे में और अब कांग्रेस के बारे में ज। कितना अंहकार, सत्ता का कितना नशाज? इनका जल्द इलाज करवाने की आवश्यकता है।

रामेश्वर शर्मा की सफाई

वीडियो के सामने आने के बाद रामेश्वर शर्मा ने मामले पर अपनी सफाई देते हुए कहा कि कांग्रेस के घुटने तोड़ने की हमें जरूरत नहीं है। पहले से ही कांग्रेस के घुटने और कमर टूटी हुई है। वायरल वीडियो दिग्विजय सिंह जी को अपमानित करने की चाल है।

क्या रामेश्वर शर्मा अपने मकसद में सफल हो गए?

पूर्व प्रोटेम स्पीकर और विधायक रामेश्वर शर्मा लगातार पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह पर निशाना साध रहे थे। लेकिन दिग्विजय सिंह उनके बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे। यह पहली बार है कि दिग्विजय सिंह ने ना सिर्फ रामेश्वर शर्मा को चुनौती दी। बल्कि उनके घर जाकर 1 घंटे तक रामधुन करने की बात कहीं है। ऐसे में चर्चा है कि शर्मा अपने मकसद में सफल हो गए।

सितंबर 2021 : मुस्लिमों की जन्म दर के बयान पर रामेश्वर शर्मा दिग्विजय सिंह पर हिन्दुओं को टारगेट करने और मुस्लिम और पाकिस्तान को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा था कि मुस्लिमों की 25 करोड़ आबादी क्या आसमान से आ गई।

अगस्त 2021: इंदौर में चूड़ी वाले के पिटाई मामले में असुद्दीन ओवैसी को जवाब देते हुए रामेश्वर शर्मा ने कहा था कि मुस्लिम तुष्टीकरण की दुकान कहीं और सजाओ यहां भड़काने के लिए दिग्विजय सिंह ही काफी है।

जून 2021: धारा 370 को लेकिर दिए बयान पर रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि वो हिन्दूओं के भेष में औरंगजेब और बाबर है।

अक्टूबर 2021: आश्रम-3 वेब सीरिज पर हमला करने वालों बजरंग दल कार्यकर्ता को गुड्डे बताने पर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि ईद पर जबलपुर में पुलिस पर हमला करने वाले कट्टेमुल्ले क्या थे, राजा साहब शांति दूत उस दिन आपकी ट्विटर की चिड़िया क्यों नहीं चहकी?

भोपाल में सिपाही का साहस:रात 11 बजे चार लुटेरों ने गर्दन पर चाकू अड़ाकर पर्स लूटा

3 मिनट तक जूझता रहा, एक को दबोचा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के भोपाल-इंदौर हाईवे में रात 11 बजे सिविल ड्रेस में खड़े सिपाही को अकेला देख चार लुटेरे उस पर टूट पड़े। लुटेरे चाकू अड़ाकर सिपाही से पर्स छीन लिया। सिपाही 3 मिनट तक लुटेरों से अकेला ही जूझता रहा। इसी बीच लुटेरे पर्स छीनकर बाइक से भागने लगे। तभी सिपाही ने एक बदमाश को दबोच लिया। वह उसे थाने लेकर पहुंचा। बाद में पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर पर्स लेकर भागे तीन बदमाशों को भी गिरफ्तार कर किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से सिपाही का पर्स समेत, अपराध में उपयोग किया गया चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस लुटेरों से पूछताछ कर रही है। पर्स में हजारों रुपए नकदी के साथ दस्तावेज थे। खजूरी सड़क

थाना प्रभारी संध्या मिश्रा ने बताया कि जीतेन्द्र सिंह खजूरी सड़क थाना में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे ड्यूटी पूरी करने के बाद वह अपने घर बैरागढ़ कला जाने के लिए थाने से निकले। रात करीब 11 बजे भोपाल-इंदौर हाईवे में पूनम ढावे के पास वह सड़क किनारे कार खड़ी कर फोन पर किसी से बात करने लगे। इसी बीच दो अलग-अलग बाइक में चार युवक उनकी कार के पास पहुंचे। युवकों को देख जीतेन्द्र ने कार का गेट खोला। इसी बीच युवकों ने उन पर चाकू अड़ाकर पर्स छीन लिया। तभी जीतेन्द्र ने बाइक में बैठने से पहले एक लुटेरे को दबोच लिया। बाद में पुलिस ने घेराबंदी कर उसके तीनों साथियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाउसिंग बोर्ड कालोनी जीशान उर्फ भैयू, आदिल, दानिश, फैजू के रूप में हुई है। आरोपियों की सिपाही के साथ झूमाझटकी भी हुई है।

सिविल ड्रेस में जीतेन्द्र को देख लूट की साजिश रची

चारों आरोपी हाईवे में वारदात के इरादे से घूम रहे थे। इसी बीच हाईवे में सुनसान जगह पर जीतेन्द्र को देखकर चारों आरोपियों ने लूट की साजिश रची। बताया गया कि घटना के दौरान जीतेन्द्र सिविल ड्रेस में थे। उनकी कार अंधेरे में खड़ी हुई थी। लुटेरों को नहीं पता था कि वह पुलिसकर्मी के साथ लूट कर रहे हैं। सिपाही का शोर सुनकर ढावे में मौजूद लोग भी पहुंचे। तब तक तीन आरोपी काफी दूर भाग चुके थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में संगिनी संस्था की कार्यकर्ताओं के साथ पौध-रोपण किया।

इंदौर से बारात लेकर भोपाल आ रही बस दुर्घटनाग्रस्त : सड़क पर रखे बेरीकेट्स को टक्कर मारने के बाद नाले में उतरी, सभी बाराती सुरक्षित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

इंदौर से बारात लेकर भोपाल आ रही बस रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। खजूरी इलाके में अनियंत्रित बस सड़क किनारे नाले में जा घुसी। हालांकि, बस पलटने से बच गई। बस में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। दो लोगों को मामूली चोट लगी हैं। मौके पर

पहुंची पुलिस ने दूसरे वाहनों से यात्रियों को भेजा। हादसे की वजह तेज रफ्तार होना बताया जा रहा है। खजूरी थाना प्रभारी संध्या मिश्रा ने बताया कि कोलूखेड़ी खजूरी के पास सड़क किनारे पेड़ों की छंटाई का काम चल रहा है। इसके लिए कर्मचारी सड़क पर बेरीकेट्स लगाए हुए हैं। शनिवार सुबह करीब 11 बजे इंदौर की तरफ से आई तेज रफ्तार बस बेरीकेट्स को टक्कर मारने के बाद सड़क से नीचे नाले में घुस गई। बस में सवार लोग चीख-पुकार करने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। तब तक पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। सभी यात्री सुरक्षित थे। बारात इंदौर के देशपांडे परिवार की थी। जिसे कोलार, भोपाल जाना था। जिन्हें दूसरे वाहन से भेजा गया।

न्यूज ब्रीफ

मध्यप्रदेश को जल जीवन मिशन में केन्द्र से मिले 1279 करोड़ रूपये

भोपाल। भारत सरकार के जल-शक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में मध्यप्रदेश को सेकन्ड ट्रेन्च में 1279 करोड़ 19 लाख रूपये आवंटित किए हैं। उल्लेखनीय है कि कार्य की प्रगति और धनराशि के उपयोग के आधार पर वित्तीय वर्ष 2021-22 में सेकन्ड ट्रेन्च में अनुदान प्राप्त करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। देश के अन्य किसी राज्य को अभी तक जल जीवन मिशन में सेकन्ड ट्रेन्च राशि आवंटित नही हुई है। मई 2021 में प्राप्त फर्स्ट ट्रेन्च की राशि और राज्य सरकार द्वारा समान अंशदान सम्मिलित कर मिशन के कार्यों का संचालन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश ने फर्स्ट ट्रेन्च और राज्य सरकार के समान अंशदान की 80 प्रतिशत राशि व्यय किए जाने के फलस्वरूप केन्द्र सरकार से सेकन्ड ट्रेन्च में राशि उपलब्ध हुई है। ग्रामीण आबादी के हर परिवार को नल कनेक्शन के माध्यम से जल उपलब्ध कराने के कार्य जल जीवन मिशन में किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी म.प्र. के कैलेंडर का लोकार्पण किया।

विश्व बाल दिवस पर प्रदेश के स्मारक हुए ब्लू लाईट से रोशन

मध्यप्रदेश गो ब्लू अभियान में यूनिसेफ के साथ बाल-अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध-प्रमुख सचिव श्री शुक्ला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

विश्व बाल दिवस के अवसर पर प्रदेश में महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों और संरक्षित स्मारकों को गो ब्लू अभियान के अंतर्गत ब्लू लाईटिंग से रोशन किया गया। विशेष रूप से निमाड़ उत्सव के दौरान महेश्वर किले को ब्लू लाइटिंग में देखना अद्भुत रहा। विश्व बाल दिवस में गो ब्लू (सर्वत्र नीला) के माध्यम से बाल अधिकारों को दर्शाया गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि नीला रंग हमें यूनिसेफ और हमारे %बच्चों के साथ, उनके विषय में और उनके लिए% के उद्देश्य की याद दिलाता है। कोविड-19 के दौरान प्रदेश में बच्चों को आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए शासन के प्रयास सफल रहे हैं। शासन यूनिसेफ के उद्देश्यों के अनुरूप बच्चों को सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य देने के लिए सदैव प्रतिबध्द है। गो ब्लू अभियान में 19 और 20 नवंबर 2021 को महेश्वर किला, मिंटो हॉल भोपाल, पलाश रेसीडेंसी भोपाल, टूरिस्ट विलेज शिवपुरी, सतपुड़ा रिट्रीट, हाईवे रिट्रीट मंदसौर, लालबाग पैलेस इंदौर, जहांगीर महल ओरछा, लक्ष्मी मंदिर ओरछा, महाराजा छत्रसाल महल धुबेला, हिन्दूपत महल पन्ना एवं ग्वालियर स्थित गूजरी महल, शाहजहाँ महल, कर्ण महल और विक्रम महल सहित अन्य पर्यटन स्थल और स्मारकों पर ब्लू लाइटिंग की गयी है।

न्यूज ब्रीफ

कृषि को अधिक लाभकारी बनाने का समय : उद्योग

पिछले साल कृषि कानूनों के पूर्ण समर्थन में आने वाले भारतीय उद्योग जगत के प्रमुखों ने कहा है कि किसानों की आय में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में भी सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि संबंधी मसलों के समाधान के लिए समिति बनाने के सरकार के फैसले से किसानों के असली दुख की पहचान में काफी सहायता मिलेगी। खाद्य क्षेत्र की दिग्गज ब्रिटानिया के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी ने कहा न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ये कानून वैसे भी विलंबित थे। किसानों की प्राप्ति में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है ताकि कृषि लाभकारी बनी रहे। बेरी ने कहा किसानों के लिए ऋण बीमा तक पहुंच में सुधार और फसल कटाई के बाद बरबादी को कम करने के लिए उत्पादकता में सुधार के वास्ते बुनियादी ढांचे की उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) ने कहा कि ये कृषि कानून किसानों के लाभ के लिए बनाए गए थे, न कि उद्योग के लिए अधिक लाभ कमाने के वास्ते। खाद्य और डेरी उत्पादों की दिग्गज अमूल के प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी ने कहा %अगर हम अपनी अगली पीढ़ी को किफायती दामों पर पर्याप्त पौष्टिक और सुरक्षित भोजन दिलाना चाहते हैं और एक देश के रूप में भोजन में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं, तो हमें किसानों की अगली पीढ़ी को कृषि उपज के लिए लाभकारी मूल्य देते हुए कृषि जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इन तीनों कृषि कानूनों के पारित होने के तुरंत बाद भारतीय उद्योग जगत के प्रमुखों ने सीधे खेतों से खरीद के मामले में उद्योग की ओर से बहुत अधिक आकर्षण की उम्मीद की थी। कंपनियां किसान उपज संगठनों से बड़े पैमाने और आपूर्ति विस्तार करने का भी मूल्यांकन कर रही थीं। अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस रिटेल, अदाणी विल्मर, टाटा और आईटीसी जैसे बड़े समूह सीधे किसानों से उत्पाद प्राप्त करने और इसे अपने खुदरा स्टोरों, ऑफलाइन वितरण श्रृंखला तथा सुपरऐप के माध्यम से ग्राहकों को बेचने की योजना बना रहे थे।

मर्सिडीज एएमजी ए45 एस लॉन्च : ये देश में मिलने वाली सबसे पावरफुल हैचबैक, 421 हॉर्सपावर की ताकत के बराबर इसका इंजन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मर्सिडीज बेंज इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी लग्जरी हैचबैक मर्सिडीजएएमजी ए45 S को लॉन्च कर दिया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 79.50 लाख रुपए है। ये भारत में मिलने वाली सबसे शक्तिशाली हैचबैक हो गई है। इसमें 421 हॉर्स पावर वाला इंजन दिया है। नई एएमजी ए45 ऽ रेगुलर,-क्लास की तुलना में काफी चौड़ी दिखती है।

मर्सिडीजएएमजी ए45 S का एक्सटीरियर

इसमें क्रोम के हॉरिजोंटल बार्स के साथ नियमित मर्सिडीज ग्रिल नहीं लगाया गया है। इसमें ग्रिल को फ्लैंक करते हुए ए-क्लास के कोणीय हेडलैंप दिए हैं। बोनट के नीचे लगाए गए दमदार इंजन को ठंडी हवा पहुंचाने के लिए बड़े एयर इंटेक के साथ फिर से काम किया गया फ्रंट एप्रन शामिल है। कोर को बड़े पैमाने पर फ्लेयर्ड व्हील आर्च के साथ फिट किया है जो कि आकर्षक फोर्ज्ड अलॉय व्हील्स की मेजबानी करते हैं जो काले रंग में फिनिश किय गए हैं और मिशेलिन टायर्स के साथ आते हैं। बड़े हवादार डिस्क ब्रेक के लिए ब्रेक कैलिपर लाल रंग में फिनिश किए गए हैं। साथ ही सामने के पंखों पर टर्बो 4Matic+ बैजिंग भी दिखाई दे रही।

मर्सिडीजएएमजी ए45 S का इंटीरियर

इसमें रेगुलर UA-क्लास का इंटीरियर डिजाइन दिया गया है। डैशबोर्ड पर ड्राइवर के इंस्ट्रूमेंटेशन के ट्विन डिस्प्ले और MBUX पावर्ड इंफोटेनमेंट सेटअप का दबदबा है। इंफोटेनमेंट डिस्प्ले को ट्रांसमिशन टनल के ऊपर लगाए गए ट्रैकपैड के साथ या स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल किया जा सकता है। यदि आप टचस्क्रीन डिस्प्ले को छूकर वास्तव में ऊब गए हैं। इंफोटेनमेंट सिस्टम वॉयस कमांड का भी जवाब देता है जो He4 Mercedes शब्द को बोल कर दिए जा सकते हैं।

मर्सिडीज एएमजी ए45 S का इंजन

इसमें 2.0-लीटर इंजन दिया है, जो 4 6,750 आरपीएम पर 421 हॉर्सपावर और 5,000 से 5,250 आरपीएम 500 न्यूटन मीटर का अधिकतम टॉर्क प्रदान करता है। इस इंजन को 8-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है जो चारों पहियों को पावर भेजता है। ये 0-100 किमी/घंटा से केवल 3.9 सेकेंड में और 278 किमी/घंटा की टॉप स्पीड पर पहुंच जाती है। कार में 6 ड्राइविंग मोड हैं। इंजन को 8-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। इंजन अभी भी ट्रांसवर्सली माउंटेड है, जिसे 180 डिग्री घुमाया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पर पीएलआई स्कीम की होगी समीक्षा

लक्ष्य प्राप्त करना मुश्किल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पर प्रोडक्शन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं की बड़े पैमाने पर समीक्षा करने के लिए तैयार है। ऐसी चिंताएं सामने आ रही हैं कि 2026 तक लोकल प्रोडक्शन के लिए पहले से ही कम किए गए 250 से 300 बिलियन डॉलर का लक्ष्य भी प्राप्त करना कठिन हो सकता है।

विस्तृत रोडमैप तैयार करने का निर्देश

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि हमें 2026 तक इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्शन के लिए 250 से 300 अरब डॉलर के लक्ष्य को कैसे हासिल किया जाए, इसका विस्तृत रोडमैप तैयार करने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने कहा कि ढ्ढञ्ज हार्डवेयर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह योजना के प्रति उदासीन रवैये को दर्शाता है क्योंकि कंपनियां केवल आधे उत्पादन लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे रही हैं।

जीएसटी की दरों में कमी की जरूरत

इंडस्ट्री के एक्सपर्ट का कहना है कि अगर वस्तु एवं सेवा कर में कमी और 5G प्रसार जैसे मुद्दों को हल नहीं किया जाता है दिक्कत बढ़ सकती है। यहां तक ????कि मोबाइल फोन का भी उत्पादन, जो कुल लक्ष्य का 40 फीसदी का योगदान करने वाला है और जिसने शुरुआत में अच्छा काम भी किया लंबे समय के लक्ष्य से चूक सकता है। अधिकारियों का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों से यह पता लगाने के लिए कहा है कि 2026 तक निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

स्कीम को और आकर्षक बनाने की जरूरत

MeitY को विशेष रूप से यह देखने के लिए कहा गया है कि क्या ढ्ढञ्ज हार्डवेयर के लिए मौजूदा पीएलआई योजना को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए बदलाव की आवश्यकता है, या फिर कोई नई योजना शुरू करने की जरूरत है। सरकार ने इस साल फरवरी में कुल 3.26 लाख करोड़ रुपए का प्रोडक्शन हासिल करने के लिए 7,325 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया था। हालांकि, बड़ी कंपनियां डेल, फ्लेक्स, फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन ने केवल 1.60 लाख करोड़ रुपए का प्रोडक्शन किया है, जो लक्ष्य का लगभग आधा है।

एपल ने स्कीम को मिस कर दिया

टैबलेट और लैपटॉप के प्रमुख निर्माताओं में से एक एपल ने इस योजना को पूरी तरह से मिस कर दिया है। अपने कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स के माध्यम से स्मार्टफोन बनाने वाली इस कंपनी के कुल निर्यात का 80 फीसदी हिस्सा पीएलआई स्कीम से ही आता है। उद्योग के अधिकारियों ने पाया कि 2026 तक लगभग 7 बिलियन डॉलर का योगदान देने वाले हियरेबल्स और वियरेबल्स की पॉलिसी को अभी तक अमल में नहीं लाया गया है।

जीएसटी की दर 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी की जाए:- भारत का मोबाइल हैंडसेट उद्योग चाहता है कि मोबाइल फोन पर जीएसटी की दर 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी और अन्य कंपोनेंट पर 5 फीसदी की दर की जाए। क्योंकि ज्यादा दर से कीमतों में वृद्धि हुई है और मांग भी प्रभावित हो रही है। कुछ शेयर होल्डर्स चाहते हैं कि इस बजट को बढ़ाकर लगभग 20,000 करोड़ रुपए किया जाए ताकि यह ग्लोबल कंपनियों के लिए ज्यादा आकर्षक हो।

टैक्स के रेट में होगा सुधार

जीएसटी के अब तीन स्लैब ही रखे जाएंगे

जनवरी से अपैरल, चप्पल और जूते होंगे महंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवाकर को लागू हुए अगले साल जुलाई में पांच साल पूरे हो जाएंगे। इस अवसर पर इस सिंगल टैक्स में बड़े बदलाव करने की तैयारी है। अभी चार स्लैब इसमें हैं। इसे घटाकर तीन स्लैब करने की योजना है। साथ ही जनवरी से अपैरल और जूते चप्पल पर ज्यादा टैक्स लगाए जाएंगे। जिससे यह सभी महंगे हो जाएंगे।

जीएसटी के फ्रेमवर्क में सुधार करने पर नजर

सरकार की नजर जीएसटी के फ्रेमवर्क में काफी सुधार करने पर हो सकती है। अगले साल जुलाई के बाद जीएसटी के लिए राज्यों को मिलने वाला मुआवजा खत्म होना तय है। इसमें टैक्स स्लैब के पुनर्गठन और छूट को कम करने पर 1 जुलाई, 2017 को लागू किए गए सिंगल टैक्स के सबसे बड़े बदलाव पर विचार किया जा सकता है। नई व्यवस्था में टैक्स की दरें 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी हो सकती हैं। अभी जो चार दरें हैं, उनमें एक रेट 5 फीसदी का भी है। इसे और 12 फीसदी के टैक्स को एक में मिलाने की योजना है।

मंत्रियों के एक समूह की आज हो सकती है बैठक

कर्नाटक के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रियों के एक समूह की जल्द ही बैठक होने की संभावना है। जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में सिफारिशों को अंतिम रूप इसमें दिया जाएगा। पिछली जीएसटी काउंसिल की बैठक में रेवेन्यू के विभिन्न पहलुओं पर एक प्रजेंटेशन दिया गया था। अब यह राज्यों को देखना है कि वे जुलाई के बाद की स्थिति से कैसे निपटना चाहते हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार 5 साल के लिए जीएसटी के कारण रेवेन्यू के नुकसान के लिए राज्यों को मुआवजा देती है। यह नियम अगले साल समाप्त हो रहा है।

सियाज के जैसी बेल्टा:ये मारुति प्लेटफॉर्म पर तैयार होने वाला टोयोटा का तीसरा मॉडल

पहले बलेनो और ब्रेजा जैसी कार भी आईं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टोयोटा ने मारुति के प्लेटफॉर्म पर तैयार नई सेडान तैयार कर ली है। इस सेडान का नाम बेल्टा है। इसे मारुति सियाज के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इस कार के फोटो भी सामने आए हैं, जिसमें ये हूबहू सियाज की तरह नजर आ रही है। माना जा रहा है कि इस मेड-इन-इंडिया बेल्टा को मिडिल ईस्ट मार्केट में पहले बेचा जाएगा। ये मारुति के प्लेटफॉर्म पर तैयार हुई टोयोटा का तीसरी कार है। इससे पहले कंपनी बलेनो के जैसी ग्लांजा और विटारा ब्रेजा के जैसी अर्बन क्रूजर लॉन्च कर चुकी है।

बेल्टा का इंटीरियर

बेल्टा का एक्सटीरियर और इंटीरियर एकदम सियाज के जैसा है। कार में टोयोटा ने अपना इंजन लगाया है। कार के इंटीरियर की बात की जाए तो इसमें 7-इंच का इन्फोटेनमेंट सिस्टम, मल्टी-फंक्शन स्टीयरिंग व्हील, क्लाइमेट कंट्रोल स्विच, एनालॉग डायल कलर्ड MID के साथ कार में बैजिंग भी मिलेगी।

बेल्टा का इंजन

कार में 1.5-लीटर, फोर-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलेगा। ये 105hp का पावर और 138Nm का टॉर्क जनरेट करता है। हालांकि, इंजन को सिर्फ 4-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। माना जा रहा है कि भारतीय बाजार के लिए टोयोटा यही इंजन ऑफर करेगा, लेकिन इसमें मैनुअल ऑप्शन भी मिलेगा।

बेल्टा का मतलब यारिस

यारिस भारतीय बाजार में टोयोटा की यारिस सेडान सफल नहीं रही है। इस कार की एक महीने में 1000 से ज्यादा यूनिट्स कभी नहीं बिक सकीं। लोगों ने इसकी तुलना में दूसरी सेडान को बहुत पसंद किया है। इनकी डिमांड लगातार बढ़ी भी है। इसी वजह से कंपनी सियाज बेस्ट बेल्टा लेकर आई है। बेल्टा नाम चुनने के लिए पीछे माना जा रहा है कि जापान, चीन और मलेशिया जैसे बाजारों में इसे यारिस कहते हैं।

एचपीसीएल-ओएनजीसी के बीच है मामूली मतभेद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईद्दिल्ली

तीन साल पहले जब सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (पीएसयू) तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में 36,000 करोड़ रुपये में सरकार की हिस्सेदारी खरीदी थी उसके बाद से दोनों पीएसयू आपसी तालमेल को बढ़ा रहे हैं। हालांकि, विवादित मुद्दें दोनों ही पीएसयू के साथ बने हुए हैं जो कि केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आते हैं। अधिकारियों के मुताबिक ओएनजीसी का प्रबंधन नाखुश है क्योंकि एचपीसीएल में सरकारी हिस्सेदारी खरीदने के बाद इस तेल अन्वेषण की दिग्गज कंपनी की नकदी के मोर्चे पर स्थिति कड़ी हो गई है। एचपीसीएल में एक नियंत्रक हिस्सेदारी रखने के बावजूद उसके पास कंपनी का कोई प्रबंधकीय नियंत्रण नहीं है। एक अधिकारी ने कहा, केंद्र सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) के जरिये लगातार एचपीसीएल में वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति की सिफारिशें कर रहा है जिसमें ओएनजीसी से कोई परामर्श नहीं किया जाता है। ओएनजीसी समूह अपने समूह की सभी कंपनियों के लिए इसी ढांचे का पालन करता है। यह मुद्दा एचपीसीएल और ओएनजीसी के बीच विवाद की वजह रहा है लेकिन इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटा लिया गया। इस मामले के जानकार एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एचपीसीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एम के सुराणा ओएनजीसी के तत्कालीन चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शशि शंकर से वरिष्ठ थे। इसलिए अन्वेषण कंपनी अपने चेयरमैन को एचपीसीएल बोर्ड का प्रमुख बनाने की मांग पर नरम पड़ गई।

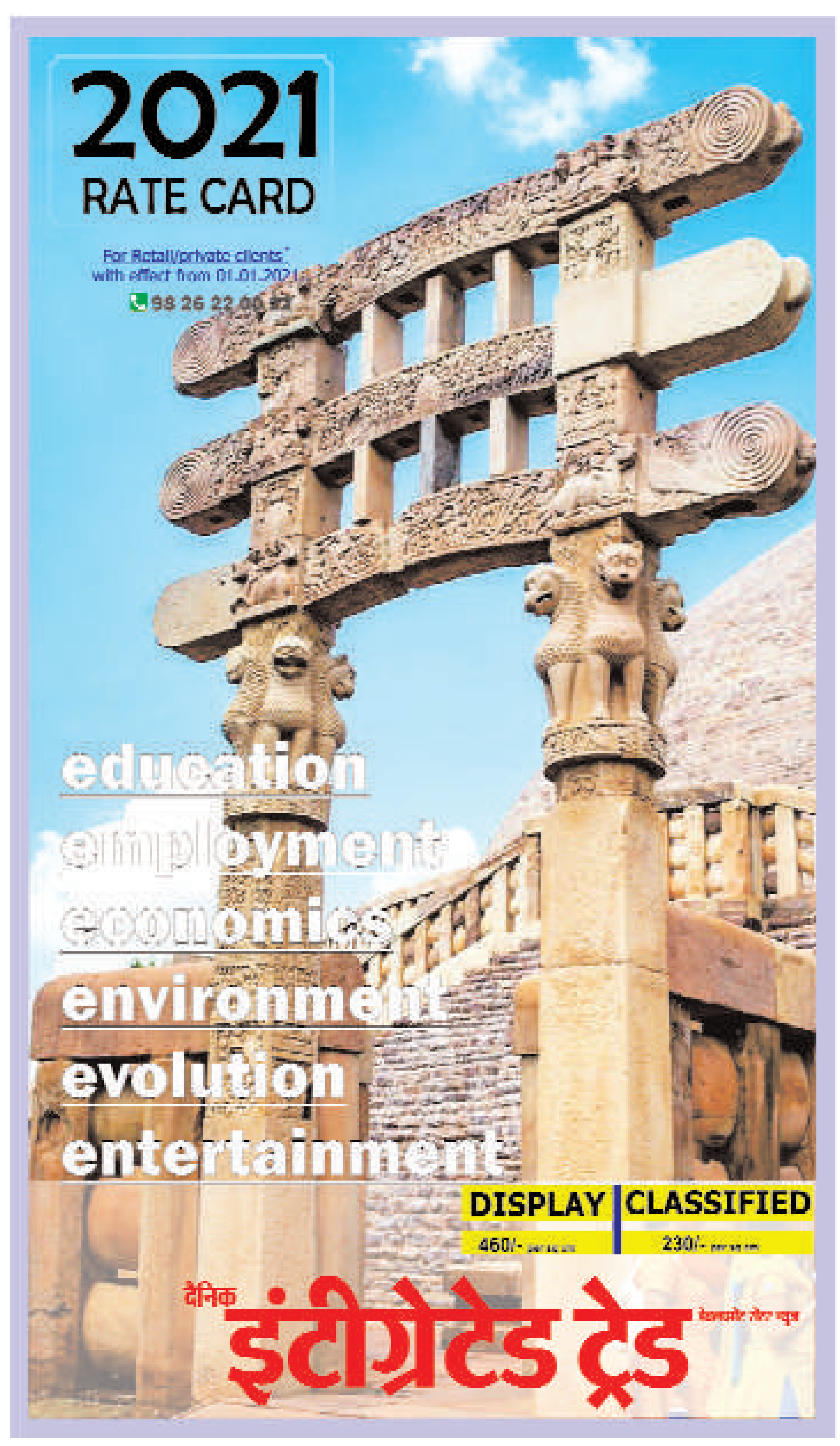

भारत में शोध पर जोर देगी आईबीएम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

तकनीकी क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी आईबीएम भारत में शोध एवं विकास (आरऐंडी) कार्यों पर अधिक जोर देने की योजना तैयार कर रही है। कंपनी देश के छोटे शहरों में नए केंद्र भी स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी का कहना है कि दुनिया में तकनीकी क्षेत्र में प्रतिभा की दिक्क्त अगले एक दशक तक जारी रह सकती है और वह इस बात से पूरी तरह वाकिफ है। मीडिया से खास बातचीत में आईबीएम के चेयरमैन एवं मुख्य

कार्याधिकारी अरविंद कृष्णा ने कहा, हमारी कंपनी तेजी से विकास कर रही है। इस समय भारत में बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और दिल्ली में हमारे चार केंद्र हैं। अब हम इनकी संख्या बढ़ाना चाहते हैं और कोच्चि तथा अहमदाबाद में भी हाल में ही नए केंद्र खोलने की घोषणा की गई है। हम प्रत्येक वर्ष शोध विकास केंद्रों में हजारों लोगों की नियुक्ति करेंगे और परामर्श (कंसल्टेंसी) कारोबार में भी बड़ी तादाद में लोगों की भर्तियां की जाएंगी। कृष्णा भारत आए हुए थे और दिल्ली में उन्होंने रेल मंत्री, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव, आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण से मुलाकात की थी। कृष्णा ने कहा कि उन्होंने मंत्रियों के साथ बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, भारत में लोगों को नए कौशल सिखाने एवं कार्य बल तैयार करने समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। भारत को डिजिटल क्रांति के लिए तैयार करने के लिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसके लिए हम काफी उत्साहित हैं और हमारे निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का 100 प्रतिशत हिस्सा कार्य बल के विकास पर खर्च होता है। हमनें गतिशक्ति पर भी चर्चा की ताकि सरकारी व्यवस्था में डिजिटलीकरण को तेजी से बढ़ावा दिया जा सके। इसक मकसद देश के नागरिकों तक तेजी से विभिन्न सेवाएं पहुंचाना है।

सुधार न रोके सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया है। साल भर से चले आ रहे तनाव को खत्म करने के लिहाज से इस कदम का स्वागत किया जा सकता है। सरकार 29 नवंबर से शुरू होने जा रहे शीतकालीन सत्र में अब इन कानूनों को वापस लेने के लिए विधेयक लाएगी। कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही संस्था संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रधानमंत्री की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि उनका आंदोलन सिर्फ तीन %काले कृषि कानूनों% के खिलाफ नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी रोक

किसान सभी कृषि उत्पादों के लिए आकर्षक कीमतों की गारंटी चाहते हैं। उसने सरकार से इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल भी वापस लेने की मांग की है। वैसे, प्रधानमंत्री के ऐलान से पहले इस साल 12 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक तीनों कृषि कानूनों के अमल पर रोक लगा दी थी। उसने एक एक्सपर्ट कमिटी भी बनाई थी, जिसे इन कानूनों पर किसानों और सरकार की राय लेनी थी। इस कमिटी ने 19 मार्च को अदालत को सीलबंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी, लेकिन अदालत की ओर से आगे कोई कार्यवाही नहीं हुई। दूसरी तरफ, सरकार ने भी इन कानूनों पर लगी अस्थायी रोक को हटवाने की कोशिश नहीं की।

बीजेपी का सबकुछ लगा था इस बिल पर

बीजेपी का इन कानूनों को लेकर राजनीतिक रूप से भी बहुत कुछ दांव पर लगा था। उसकी अगुआई वाली सरकार साल भर तक इन कानूनों को किसानों के हित में बताती रही। इसके लिए अलग-अलग तर्क देती रही। इसलिए अब इन्हें वापस लिए जाने के बाद आलोचकों को यह कहने का मौका मिला है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और गोवा में होने जा रहे चुनावों को देखते हुए उसने यह फैसला किया है।
किसान आंदोलन में विशेष रूप से पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों की बड़ी भागीदारी रही है। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में विपक्षी दलों के भारी विरोध को देखते हुए भूमि सुधार पर अध्यादेश वापस लिया था। तब एक सवाल यह भी उठा था कि इससे आर्थिक सुधारों की प्रगति पर बुरा असर पड़ेगा।

सरकार ने घुटने टेके

यह सवाल इस बार भी उठ रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कृषि क्षेत्र में सुधार जरूरी हैं। इसीलिए सरकार कृषि कानून लेकर आई थी। अब इन्हें वापस लेने से यह संदेश जा सकता है कि केंद्र ने आर्थिक बदलाव का रास्ता छोड़ दिया है। वह भी पिछली सरकारों की तरह राजनीतिक दबाव के आगे घुटने टेकने लगी है। यह संदेश देश की इकॉनमी के लिए बुरा होगा। इसलिए सरकार को इस धारणा को खत्म करना चाहिए। इसके लिए उसे दूसरे मोर्चों पर सुधार की गाड़ी आगे बढ़ानी होगी। कृषि कानूनों का अनुभव यह भी बताता है कि विभिन्न पक्षों से संवाद और सहमति हासिल करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यहां सरकार से चूक हुई। इस सबक को अमल में लाया जाए तो बहुत मुमकिन है कि आगे चलकर बेहतर तरीके से बदलाव लाए जा सकेंगे।

संपादकीय

किसान आंदोलन : झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए

आखिर, इस ऐतिहासिक किसान आंदोलन की इस अभूतपूर्व जीत का, जो एक साल से ज्यादा से जारी अनवरत, शांतिपूर्ण, संगठित संघर्ष और 700 से ज्यादा कुर्बानियों के बाद हासिल हुई है, एक ही सबक है। दुष्यंत कुमार की कविता की पंक्तियों का सहारा लें तो, %कौन कहता है कि आसमां सुराख हो नहीं सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो! जनता अगर ठान ले और धीरज से तथा कुर्बानियां देकर भी लड़ने के लिए उसे गोलबंद किया जाए, तो अंहकारी से अहंकारी और जनविरोधी से जनविरोधी शासन को भी, झुकने के लिए मजबूर किया जा सकता है। आखिरकार, किसानों के संघर्ष ने मोदी सरकार को झुकने को मजबूर कर दिया है। गुरु पर्व के मौके पर, राष्ट्र के नाम एक विशेष संबोधन के जरिए, प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ तीन विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने के फैसले का ऐलान किया है। बेशक, प्रधानमंत्री की इस घोषणा का स्वागत करते हुए तथा इसे अपनी जीत बताते हुए भी, आंदोलनकारी किसान संगठनों तथा किसानों के संघर्ष के मौजूदा चक्र का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों ने उचित ही, इस घोषणा भर पर आंदोलन खत्म कर घर लौट जाने का निर्णय नहीं कर लेने की सावधानी ही बरती है। उन्होंने खासतौर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा तथा बिजली संशोधन

विधेयक के वापस लिए जाने तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर्यावरण प्रदूषण कानून के किसानों को दंडित करने वाले प्रावधानों के हटाए जाने के मुद्दे, अभी भी हल नहीं होने की भी याद दिलाई है। इस सबके अलावा किसान आंदोलन के सिलसिले में किसान नेताओं, कार्यकर्ताओं तथा आम किसानों पर लादे गए तरह-तरह के मुकद्दमों की वापसी का भी सवाल है। इससे साफ है कि इस घोषणा के साथ तो, मोदी सरकार के कृषि से जुड़े कदमों को वापस लेने की शुरूआत हुई है, कदमों की वापसी का यह सिलसिला आगे तक जाएगा।
वास्तव में मजदूरविरोधी श्रम कानूनों, रक्षा उद्योग के कार्पोरेटीकरण समेत निजीकरण की मुहिम, कर्मचारी पेंशन व्यवस्था आदि से लेकर, सीएए तक, विभिन्न विवादित तथा उल्लेखनीय आंदोलनों का निशाना बने निर्णयों को वापस लिए जाने का दबाव भी बढ़ेगा और इतने प्रत्यक्ष रूप में चाहे न भी हो, घुमा-फिराकर ही सही, मोदी सरकार को इन मुद्दों पर भी कुछ न कुछ झुकना भी पड़ सकता है। आखिर, इस ऐतिहासिक किसान आंदोलन की इस अभूतपूर्व जीत का, जो एक साल से ज्यादा से जारी अनवरत, शांतिपूर्ण, संगठित संघर्ष और 700 से ज्यादा कुर्बानियों के बाद हासिल हुई है, एक ही सबक है। दुष्यंत कुमार की कविता की पंक्तियों का सहारा लें तो, कौन कहता है कि आसमां सुराख हो नहीं सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो! जनता अगर ठान ले और धीरज से तथा कुर्बानियां देकर भी लड़ने के लिए उसे गोलबंद किया जाए, तो अंहकारी से अहंकारी और जनविरोधी से जनविरोधी शासन को भी, झुकने के लिए मजबूर किया जा सकता है। किसान आंदोलन की यह शानदार जीत, हमें एक बार फिर इसकी याद दिलाती है कि जनतांत्रिक व्यवस्था और उसके पीछे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की आधारभूमि, मेहनत की रोटी खाने वाली आम जनता के हितों की रक्षा करने के लिए कितनी जरूरी है। इतना ही नहीं यह जीत हमें इसकी भी पहचान कराती है कि %एक देश, एक चुनाव% की मोदी राज की प्रिय योजना, जो मध्यवर्ग के एक हिस्से तथा सत्ताधारी वर्ग को बहुत आकर्षक लगती है, वास्तव में जनतंत्र के ज्यादा से ज्यादा सिकोड़े जाने और जनता के बरखिलाफ, शासन को ज्यादा से ज्यादा ताकतवर और निरंकुश बनाए जाने का ही साधन है। यह तो स्वत- स्पष्ट ही है कि नरेंद्र मोदी को इसका अहसास दिलाने में कि चूंकि खुद उनके अपने बयान के अनुसार, वह किसानों के एक हिस्से को यह समझाने में कामयाब नहीं हुए हैं कि वह किसानों के हितों के लिए जो कदम उठा रहे हैं, उनमें वाकई किसानों का हित है, इसलिए उनकी सरकार को संबंधित कृषि कानूनों को वापस ही ले लेना चाहिए, विधानसभाई चुनावों के करीब चार महीने में ही आने जा रहे चक्र की चिंता ही निर्णायक साबित हुई है। इन कानूनों को थोपने के लिए अपनी सारी प्रशासनिक ताकत और राजनीतिक साख लगाने के बाद भी, अगर मोदी के संघ-भाजपा राज को करीब-करीब साफ शब्दों में अपनी हार माननी पड़ी है, तो इसीलिए कि किसान आंदोलन की अडिग और वास्तव में लगातार बढ़ती ताकत ने उसे इसका एहसास करा दिया था कि इन कानूनों को थोपने का उसका हठ, चुनावी-राजनीतिक रूप से उसके लिए बहुत महंगा पड़ सकता है।

कृषि कानूनों पर मोदी सरकार का यूटर्न

– उपेन्द्र प्रसाद

ये तीन कृषि कानून अपनी विभीषिका में नोटबंदी से भी ज्यादा घातक साबित होने वाला था। इससे सिर्फ किसान ही तबाह नहीं होते, बल्कि देश की 95 फीसदी से भी ज्यादा आबादी प्रभावित होती। अनाज के बाजार में उपभोक्ताओं की शामत आ जाती। इन तीनों में से एक कानून खाद्यानों की जमाखोरी की अधिकतम सीमा को समाप्त करता है। इसके कारण जमाखोरी बढ़ती। अरबों रुपयों के मालिक अडाणी से लेकर हजारपति व्यापारी तक अनाजों की जमाखोरी करते।
आखिरकार लोकतंत्र की जीत हुई और केन्द्र सरकार को तीन काले कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा। वैसे उनके वापस होने की उम्मीद पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद से ही प्रबल लग रही थी, क्योंकि वहां की हार को सुनिश्चित बनाने में किसान आंदोलन की बहुत बड़ी भूमिका थी। यह सच है कि पश्चिम बंगाल के किसान उतने आंदोलित नहीं हैं, जितने पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान के किसान, लेकिन दिल्ली को घेरकर आंदोलन करने वाले किसानों ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ चुनावी अभियान चलाया था और उस अभियान ने भाजपा के सपने चकनाचूर कर दिए और उसका सारा का सारा जातीय समीकरण धरा का धरा रह गया।
उत्तर प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी जातीय समीकरण की मजबूत रणनीति से चुनाव जीतने का सपना पाल रही है। राममंदिर और मुस्लिम विरोधी राजनीति को दिखावा मात्र है, उसकी जीत उत्तर प्रदेश के जातीय समीकरण पर ही इस बार भी निर्भर है, लेकिन किसान आंदोलन उसके इस समीकरण पर भी भारी पड़ रहा था। वैसे कुछ गोदी मीडिया के चैनल वहां फिर से भाजपा के पूर्ण सत्ता में आने के सर्वे नतीजे दिखा रहे हैं, लेकिन अब देश की जनता राजनैतिक रूप से परिपक्क हो चुकी है और यह जानने लगी है कि ये सब सर्वे और उनके नतीजे प्रायोजित होते हैं। सर्वे तो भाजपा ने भी करवाए होंगे और उनमे उनकी हार के ही नतीजे निकले होंगे। और भारतीय

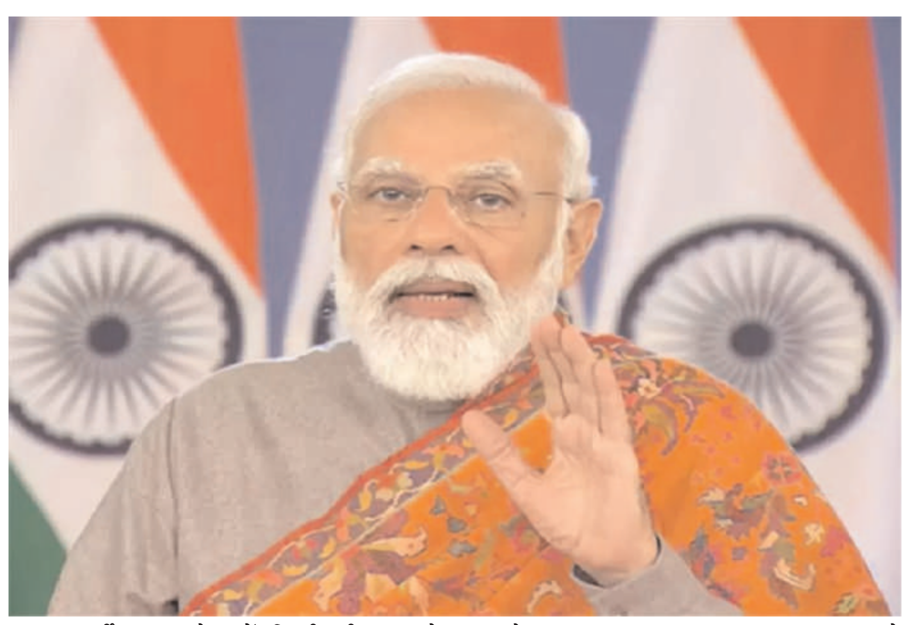

जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह से जीतना चाहती है। ऐसा संभव बनाने के लिए इन तीनों कानूनों को वापस लेना उसके लिए कोई बहुत बड़ा सौदा नहीं है। सत्ता में बने रहना भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उत्तर प्रदेश में यदि उसकी हार हो जाती है, तो आगे केन्द्र मे मोदी सरकार को अपनी शर्तों पर काम करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए हार को देखते हुए इन्हें वापस लिया ही जाना था। हां, यदि भारतीय जनता पार्टी अपने आपको जीतती हुई पाती, तो ये कानून हरगिज वापस नहीं लिए जाते। जाहिर है, मोदी सरकार की यह घोषणा भारत के लोकतंत्र की जीत है। चुनाव लोकतंत्र का अविभाज्य हिस्सा है और हार चुनाव लड़ने वाले दलों और लोगों के लिए सबसे ज्यादा कंपकंपा देने वाली स्थिति। इसलिए हार के डर से ही सही, मोदी सरकार ने ये कानून तो वापस ले ही लिए और भविष्य में होने वाली भारत की संभावित तबाही से देश बच गया।
किसानों के हौसलों को सलाम करना होगा। 6 सौ आंदोलनकारी शहीद हुए। मौसम की मार का उनको सामना करना पड़ा। लगभग एक साल से वे आंदोलन कर रहे हैं और इस बीच भारत की तीनों ऋतुओं- सर्दी, गर्मी और बरसात- की विभीषिका का सामना किसान कर चुके हैं, लेकिन सत्याग्रह से वे पीछे नहीं हटे। वे पूरी तरह से गांधीवादी आंदोलन चला रहे थे, इसलिए उनका आंदोलन लंबा चला और उनकी जीत हुई। वैसे उसे हिंसक बनाने की कोशिशें भी हुईं और कुछ अराजक तत्व भी उसमें शामिल हुए, लेकिन कुल मिलाकर उनका सत्याग्रह गांधीवादी सत्याग्रह ही था।
प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि ये तीनों कानून वे किसानों को सशक्त बनाने के लिए लाए थे, लेकिन किसान से बेहतर वे नहीं जानते हैं कि उनके लिए सशक्तता का क्या मतलब है। वे तो नोटबंदी काले धन को समाप्त करने के लिए लाए थे, लेकिन उसका नतीजा क्या हुआ? अच्छी खासी देश की अर्थव्यवस्था उस नोटबंदी से तबाह हो गई। विकास पर ब्रेक लग गया और काले धन में कोई कमी नहीं आई। उलटे काला धन और बढ़ गए। नोटबंदी ने करोड़ों को बेरोजगार बना दिया। लाखों लोगों के व्यवसाय बंद हो गए। भारतीय रिजर्व बैंक का व्यर्थ में नये नोट छापने और उनका बैंकों और एटीएम तक पहुंचाने में हजारों करोड़ खर्च हुए। कितने लोग तो लाइन में लगे लगे ही मर गए। अनेक बैंककर्मी भी काम के अतिशय बोझ से दबकर काल की गाल में समा गए। कितने लोगों ने तो आत्महत्या तक कर ली।
ये तीन कृषि कानून अपनी विभीषिका में नोटबंदी से भी ज्यादा घातक साबित होने वाला था। इससे सिर्फ किसान ही तबाह नहीं होते, बल्कि देश की 95 फीसदी से भी ज्यादा आबादी प्रभावित होती। अनाज के बाजार में उपभोक्ताओं की शामत आ जाती। इन तीनों में से एक कानून खाद्यानों की जमाखोरी की अधिकतम सीमा को समाप्त करता है। इसके कारण जमाखोरी बढ़ती। अरबों रुपयों के मालिक अडाणी से लेकर हजारपति व्यापारी तक अनाजों की जमाखोरी करते। समृद्ध उपभोक्ता भी अपनी जरूरत से ज्यादा अनाज को खरीदकर जमा कर लेते, जिसके कारण बाजार में अनाज का भारी अभाव हो जाता और कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ जाती। एक कृत्रिम अकाल पड़ता, जिसमें देश में पर्याप्त अनाज होने के बावजूद बाजार से अनाज या तो नदारद हो जाता या इतनी ज्यादा कीमत पर उपलब्ध होते कि मध्यवर्ग का व्यक्ति भी मुश्किल से उसे खरीद पाता। जिस तरह से मोदीजी को यह नहीं पता था कि नोटबंदी से कितनी तबाही मचेगी, उसी तरह शायद उन्हें यह नहीं पता है कि इन कानूनों का क्या असर लोगों पर पड़ता। इस कानून का एक असर यह हो जाता कि किसान अपने खेत में ही मजदूर हो जाते और वे बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अनाज खरीदारों की कृपा पर आ जाते। कांट्रैक्ट खेती वाला कानून इसके लिए जिम्मेदार होते। किसान अपना अनाज किसी को भी बेचने के लिए स्वतंत्र नहीं होते और जिनसे उन्होंने कांट्रैक्ट किया हुआ होता, उनके रहमो करम पर आश्रित हो जाते। इसलिए किसानों के खिलाफ तो ये कानून थे ही और इसीलिए किसान इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन उनके इस विरोध से देश के सभी लोगों का भला हुआ।

फिर उगाई जा रही नफरत की फसल

शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में गठबंधन सरकार काम कर रही है। राजनीतिक ताकतें भले ही उनके खिलाफ हैं पर परिणामों के लिए वे ही जिम्मेदार हैं। सरकार का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वह इन दंगों को हल्के में न ले और आग फैलने से पहले एक सुनिश्चित सोच के साथ गड़बड़ी खत्म करने के लिए कदम उठाये। यह सरकार की सफलता है कि उसने न केवल हिंसा पर काबू पाया बल्कि हिंसा को बढ़ावा देने के आरोपित तथा घटनास्थल पर उपस्थित महानगरपालिका के वर्तमान नगरसेवकों सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारियों तथा एक पूर्व मंत्री को गिरफ्तार भी किया। सांप्रदायिक हिंसा के चलते आजाद भारत में कई सरकारों को नीचा देखना पड़ा है। दंगों की शुरुआत तो बहुत छोटी होती है पर कुछ ही समय में ये भीषण रूप धारण कर लेते हैं। आम तौर पर जो नागरिक कानून और व्यवस्था की सीमाओं में रहता है, अचानक सभी सीमाओं को पार कर जाता है। भीड़ को पुलिस पर हमला करते, वाहनों को जलाते और जरा सी अफवाह पर सड़कों पर उतरते देखना असामान्य नहीं है। किसी न किसी बहाने या कारण, वास्तविक या काल्पनिक अफवाहों की वजह से हिंसा शुरू होती है और यदि राज्य सरकार इस हिंसा को दबाने के लिए तत्काल, स्पष्ट एवं हिंसा में लिप्त किसी भी पक्ष के खिलाफ पूर्ण रूप से सक्रिय नहीं होती तो हिंसा जीतती है और प्रशासन हार जाता है। कई दंगों का यही इतिहास रहा है और इसका प्रशासनिक सबक सरल है-%इस तरह की आग के साथ मत खेलो!

यह 21वीं सदी के भारत की एक दुखद तस्वीर है कि त्रिपुरा और महाराष्ट्र में साम्प्रदायिक आग भड़की है। एक जगह भड़की हिंसा दूसरे जगह की हिंसा को बढ़ा रही है। इस हिंसा को ज्यादातर कुछ अर्धसत्यों और ढेर सारी नफरत का आधार लेकर फैलाया गया है जो हमारी राजनीतिक प्रणाली में फैल गया है। त्रिपुरा में जो कुछ हुआ वह चौंकाने वाला है। इस भाजपा शासित राज्य में हिंसा को नियंत्रित करने की सरकार की विफलता को उजागर कर रहे 100 से अधिक पत्रकारों और वकीलों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोक थाम) अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर सरकार ने अपने कुशासन का परिचय दिया है। इस विषय पर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की टिप्पणी बहुत सही है। महाराष्ट्र में स्थिति अलग है। त्रिपुरा में कथित हिंसा की घटनाओं के खिलाफ प्रदर्शन के बाद अमरावती और राज्य के कुछ अन्य जिलों में साम्प्रदायिक उपद्रव शुरू हुए। इसके बाद हुई हिंसा राज्य सरकार के लिए एक नई चुनौती बन गई है। तेजी से बढ़ रही अक्खड़ भाजपा को नियंत्रित करने के लिए गैर-भाजपाई ताकतों के अनूठे गठजोड़ के प्रयोग के रूप में यहां ठाकरे सरकार चल रही है। सप्ताहांत में आई रिपोर्ट के मुताबिक तनाव, विरोध और हिंसा का जारी रहना कोई अच्छा संकेत नहीं है। सांप्रदायिक ताकतों द्वारा हिंसा भड़काने और माहौल खराब करने की कोशिश कर भाजपा ऐसा दिखाने का प्रयत्न कर रही है कि गठबंधन सरकार राज्य में शासन करने में असमर्थ है। राज्य में आज शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में गठबंधन सरकार काम कर रही है। राजनीतिक ताकतें भले ही उनके खिलाफ हैं पर परिणामों के लिए वे ही जिम्मेदार हैं। सरकार का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वह इन दंगों को हल्के में न ले और आग फैलने से पहले एक सुनिश्चित सोच के साथ गड़बड़ी खत्म करने के लिए कदम उठाये। यह सरकार की सफलता है कि उसने न केवल हिंसा पर काबू पाया बल्कि हिंसा को बढ़ावा देने के आरोपित तथा घटनास्थल पर उपस्थित महानगरपालिका के वर्तमान नगरसेवकों सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारियों तथा एक पूर्व मंत्री को गिरफ्तार भी किया। इस मामले में आगे और कार्रवाई करते हुए मामले की गहरी जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाएं ताकि नफरत फैलाने वालों तक यह स्पष्ट संदेश पहुंचे कि दंगाइयों को बख्शा नहीं जाएगा। दंगाग्रस्त इलाकों में पहले चार दिन का कर्फ्यू लगाया गया तथा इंटरनेट सेवाओं को प्रतिबंधित कर दिया गया था जो इन परिस्थितियों में सही कदम है। राज्य सरकार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ए आर अंतुले से कुछ सबक लेने चाहिए ताकि वह अच्छे से काम कर सकें। अंतुले कथित घोटालों के लिए बहुत बदनाम हैं, लेकिन होशियार बैरिस्टर यह जानता था कि प्रशासन से किस तरह काम लेना है। वे एक बार अपने मुख्य सचिव के साथ बैठक में थे तभी भिवंडी में हिंसा होने की कुछ खबरें आईं। उन्होंने मुख्य सचिव से कहा कि वे बैठक से सीधे घटनास्थल पर जाएं, उन्हें मुख्यमंत्री की सभी शक्तियां प्रदान की गईं और आदेश दिया गया कि जब तक हिंसा बंद नहीं होती, वे वापस न आएं। उनके वहां पहुंचने के बाद स्थिति सामान्य हो गई। उस दिन के बाद हिंसा की कोई वारदात नहीं हुई। महाराष्ट्र अभी चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा है। राज्य के एक पूर्व गृह मंत्री सलाखों के पीछे हैं। मुंबई का एक पूर्व पुलिस कमिश्नर फरार है। यह सब उस समय हुआ है जब राज्य में उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गठबंधन सरकार है जिसने भाजपा के सामने कड़ी राजनीतिक चुनौती पेश की है। भाजपा ने यह सोच लिया था कि वह सत्ता में वापसी करेगी और शिवसेना के साथ मिलकर देवेन्द्र फडणवीस को मुख्यमंत्री के रूप में फिर से बैठाएगी, परन्तु घटनाक्रम नाटकीय रूप से बदल गया।

यह 21वीं सदी के भारत की एक दुखद तस्वीर है कि त्रिपुरा और महाराष्ट्र में साम्प्रदायिक आग भड़की है। एक जगह भड़की हिंसा दूसरे जगह की हिंसा को बढ़ा रही है। इस हिंसा को ज्यादातर कुछ अर्धसत्यों और ढेर सारी नफरत का आधार लेकर फैलाया गया है जो हमारी राजनीतिक प्रणाली में फैल गया है।

गुस्सा क्रोध

समझदारी का दुश्मन,जो हर लडाई का हिस्सा है।
समझ-समझ कर जो ना समझा वही गुस्सा है।

शांति जिसकी शत्रु ,घमंड जिसका भाई है।
जिसने समझना चाहा, उसने कहा बहुत भयानक खाई है।

झगडा जिससे होता है,जो हर अनबन का हिस्सा है।
रिश्ता टूटने की वजह , यही गुस्सा है ।

क्या बोला जाये,ये जिसमें समझ नही आता है।
समझदारो का दूशमन बन जाता है. ये है गुस्सा जो समझ नही आता है।

सबको पता है गलत है गुस्सा ,क्या करें समझ नही आता है ।

जो शांति का शस्त्र चलाता है, वहीं इस पर विजय हासिल कर पाता है।
कवि - हार्दिक आढा

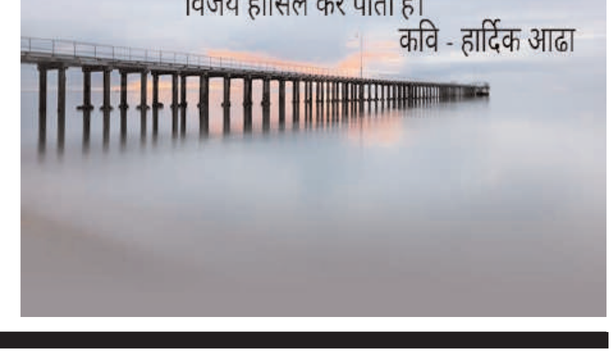

अब घरबैठे भी ले सकते है हर्बल फेशियल का लाभ

स्किन के लिए अगर आप हर्बल चीज़ों का उपयोग करती हैं तो आपके लिए बहुत ही लाभकारी होता है. हर्बल चीज़ों से आपको किसी भी प्रकार की कोई भी हानि नहीं होती है और न ही कोई साइड इफ़ेक्ट होता है. चेहरे को सुंदर बनाने के लिए आपको बार बार ब्यूटी पार्लर जानने की आवश्यकता नहीं है क्योकि आज हम आपको घर पर ही हर्बल फेशियल करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे है. इनके उपयोग से बिना पैसे खर्च किये ही आपकी स्किन खूबसूरत होने वाली है. तो जानिए कैसे होता है हर्बल फेशियल और इसके लाभ.

- जब भी अपने चेहरे को हर्बल फेशियल करना हो तो इससे पहले अपने चेहरे को ठन्डे पानी की मदद से अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें. चेहरे को धोने के बाद ही फेशियल करें.
- चेहरे को ठन्डे पानी से धोने के बाद थोड़े से चावल के आटे में दही मिलाकर अपने अपने चेहरे और गर्दन लगाकर हलके हाथो से स्क्रब करें. और फिर थोड़ी देर बाद अपने चेहरे को धोकर हल्का सा पोंछ लें.
- चेहरे की क्लीजिंग करने के बाद अपने चेहरे की मसाज करें. मसाज करने के लिए 2-4 बूंद बादाम के तेल को ले ले, अब इसमें थोड़ी सा मलाई मिलाकर अपने चेहरे की हल्के हाथों से मसाज करें.
- स्किन के लिए नीम का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है, इसे इस्तेमाल करने के लिए एक बर्तन में पानी डालकर इसमें 5- 6 नीम की पत्तियां डालकर अच्छे से उबाल लें. अब इस पानी से अपने चेहरे को स्टिम दें.
- फेसपैक के लिए 1 चम्मच ऑरेंज पील पाउडर में गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बना ले अगर आप चाहे तो इसमें थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं.

यदि आप भी चाहती है फोटोजेनिक फेस तो अपनाएं ये टिप्स

हर व्यक्ति की चाह होती है कि उसकी फोटो में कुछ हटकर दिखाई दे. सुंदर तस्वीर के लिए पहले आपको भी सुंदर बनना पड़ता है. सुंदर फोटो के लिए आवश्यक है आपका मेकअप आपके फ़ेस के अनुसार हो कई अवसर अनुरूप के अनिरुप होना जरुरी है. अपनी तस्वीरों में अगर आप आकर्षक लगना चाहती हैं तो तस्वीरें क्लिक करवाने से पहले जरूरत हैं कुछ बातों पर ध्यान देने की. अगर आप चेहरा एकदम फोटोजनिक चाहती है तो इन बातों का ध्यान जरूर रखे.

मेकअप

तस्वीर कैपचर करवाने से पहले ये ध्यान देना जरूरी है की आप फोटो किस उद्देश्य से खिचवा रही हैं. आप जिस उद्देश्य से फोटो खिचवा रही है उसी के अनुरूप ही मेकअप करना चाहिए. न्यूड मेकअप करे अगर आप बायोडेटा के लिए नॉरमल फोटो चाहते है तो.

आउटडोर फोटो

अगर आप नैचुरल लाइट में कुछ हट के फोटो चाहते हैं तो मेकअप हल्का ही करें तो बेहतर होगा. जैसे कि आंखों के नीचे पीला कन्सीलर लगाए और त्वचा के अनुसार फाउंडेशन का इस्तेमाल. फिर ट्रान्सुलेट पाउडर डीप करके पीच ब्राउन स्किन टोन या सौफ्ट पिंक ब्लशर लगाएं. आंखों पर सौफ्ट शेड के आईशैडो इस्तेमाल करें. फिर ट्रान्सपेरेंट मस्कारा लगाएं और काजल लगाएं. आईलाइनर से भी अपनी आंखों को डेकोरेट कर सकती हैं. लिप्स पर नैचुरल गॉलोस वाली बेज रंग की लिपिस्टक लगाएं. यह मेकअप आपके व्यक्तित्व को निखारता और सौम्यता प्रदान करता है.

इनडोर फोटो

इनडोर फोटो मे ज्यादातर फोटोग्राफर फ्लैश का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए जरूरी है कि डार्क मेकअप होन चाहिए. आप होंठों पर गाढे रंग की लिपिस्टक लगाएं और आंखों मे हैवी मेकअप करें हैं. हैवी ब्लशर की ज्यादा कोटिंग नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे मेकअप जरूरत से ज्यादा नजर आता है. इसके अलावा यलो टोन फाउंडेशन इस्तेमाल करें और लाइट कंसीलर का इस्तेमाल करें.

ड्रैसिंग सैंस

फोटो खिचवाने समय ड्रैसिंग सैंस का चुनाव बेहतर होना चाहिए और मेकअप के मुताबिक होना चाहिए. कैजुअल मौके पर कैजुअल ड्रैसप और पार्टी टाइम पर हैवी ड्रैसप होना चाहिए।

हेयर कलर से पहले जान लें ये जरुरी बात, वरना होगा भारी नुकसान

लड़कियां अपने बालों का बहुत ही ध्यान रखती है. लंबे और खूबसूरत बाल प्रत्येक लड़की का सपना होता है. इनको स्टाइलिश बनाने के लिए वो कई तरह के उपाय करती हैं. साथ ही बालों को कलर करने का चलन बहुत बढ़ रहा है. पर बढ़ते प्रदुषण और गलत खान पान की वजह से कभी कभी बालो से जुड़ी कई परेशानी का भी सामना करना पड़ता है. ऐसे में लड़किया अपने बालो को झड़ने से रोकने के लिए अनजाने में कुछ ऐसी चीजों का उपयोग कर बैठती है जिससे उनके बालो को बहुत हानि पहुँच सकता है. बालों को जब भी कलर करना हो उस वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए.

* लड़किया अपने बालो को धोने के लिए बेसन का इस्तेमाल करती है लेकिन बालो में बेसन का इस्तेमाल करने से बालो में ड्रैंडर्फ की समस्या हो सकती है और बेसन आपके बालो के झड़ने का कारण भी बन सकता है.

* बालो के लिए बेकिंग सोडे का इस्तेमाल भी नुकसानदायक होता है, बालो में बेकिंग सोडा लगाने से बालों की चमक को गायब हो जाती है साथ ही बाल झड़ने भी लगते है.

* कभी भी अपने बालो में भूलकर भी आलू का इस्तेमाल ना करे, आलू में भरपूर मात्रा में ब्लीचिंग एजेंट मौजूद होते है जो चेहरे के लिए तो फायदेमंद होते है पर इसको बालो में लगाने से बालों का रंग सफेद हो सकता है.

* लड़किया अपने बालो में चमक लाने के लिए बालो में सिरके का इस्तेमाल करती है पर अगर आप अपने बालो में सिरके का इस्तेमाल करती है तो सावधान हो जाये क्योकि सिरका आपके बालों की ड्राइनेस बढ़ाता है.

हर ब्यूटी प्रॉब्लम से लड़ने में मदद करेगा कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल जिसे अरंडी का तेल भी कहा जा रहा है, सेहत के साथ-साथ ब्यूटी के लिए भी बहुत ज्यादा लाभदायक होता है. जिसमे भरपूर मात्रा में औषधीय गुण मौजूद होते हैं जो ब्यूटी से जुड़ी परेशानियों को दूर करने में सहायता करते हैं. कैस्टर ऑयल में एंटी बैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों की भी भरपूर मात्रा शामिल होती है जो स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करने में मददगार होती है. आप अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए केमिकल युक्त क्रीम या अन्य प्रोडक्ट की जगह कैस्टर ऑयल का उपयोग कर सकते है.

1- अपनी त्वचा के रूखेपन को दूर करने के लिए कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल फायदेमंद होता है. कैस्टर ऑयल को नारियल के तेल में मिलाकर अपने चेहरे पर दिन में दो बार लगाएं. ऐसा करने से आपकी ड्राई स्किन की समस्या दूर हो जाएगी.

2- पिंपल्स की समस्या को दूर करने के लिए रात में सोने से पहले अपने चेहरे पर कॉस्टर आयल लगाएं. सुबह उठने पर ठंडे पानी से अपने चेहरे को साफ करें.

3- अगर आपके चेहरे पर झुर्रियों की समस्या है तो कैस्टर ऑयल में ऑलिव ऑयल मिलाकर अपने चेहरे की मसाज करें. कुछ देर बाद ठंडे पानी से अपने चेहरे को साफ करें. ऐसा करने से आपकी त्वचा साफ और जवान हो जाएगी .

4- स्ट्रेच मार्क्स की समस्या को दूर करने के लिए नियमित रूप से 15-20 मिनट तक कैस्टर ऑयल से स्ट्रेच मार्क्स की मसाज करें. ऐसा करने से आपके स्ट्रेच मार्क साफ हो जाएंगे.

5- अगर आपके चेहरे पर दाग धब्बों की समस्या है तो कैस्टर ऑयल को अपने चेहरे पर लगा कर हल्के हाथों से मसाज करें. बाद में टिशू पेपर से अपने चेहरे को साफ करें.

अब चंदन से दूर होगी पिम्पल की समस्या

यह बात तो हम सभी जानते है कि चंदन का इस्तेमाल घर में पूजा के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते है कि चंदन का इस्तेमाल ब्यूटी प्रोडक्ट की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है, जी हां यदि आपके चेहरे पर किसी भी तरह के पिम्पल्स या दाग हो गए है तो चंदन को लगाने से आपको काफी हद तक पीपल जैसी परेशानियों से निजात मिल जाएगा और इतना ही नहीं आपकी त्वचा भी खिल कर सामने आएगी.

1- पिंपल्स की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आधा चम्मच हल्दी पाउडर में एक चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं. जब यह सूख जाए तो इसे साफ पानी से धो लें. ऐसा करने से आपकी पिंपल्स की समस्या दूर हो जाएगी.

2- झुर्रियों की समस्या को दूर करने के लिए अंडे के पीले भाग में शहद, चंदन पाउडर और ऑलिव ऑयल मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं. जब यह सूख जाए तो इसे ठंडे पानी से धो लें. हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में कसाव आता है और झुर्रियों की समस्या दूर हो जाती है.

3- स्किन को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए चंदन पाउडर में बादाम और नारियल का तेल मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट बाद साफ पानी से अपने चेहरे को धो लें. ऐसा करने से आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार हो जाएगी.

4- चंदन में भरपूर मात्रा में एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं इसका इस्तेमाल करने से एकने की समस्या से छुटकारा मिलता है. आप चाहे तो रात को सोने से पहले भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

5- झाइयों की समस्या को दूर करने के लिए नियमित रूप से चंदन पाउडर में गुलाब जल या दूध मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं. जब यह सूख जाए तो इसे

कोरोना से लड़ाई में कनाडा का बड़ा फैसला

5-11 साल के बच्चों को लगाई जाएगी फाइजर वैक्सीन

दो डोज में 8 हफ्ते का अंतर होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ओटावा

कनाडा ने कोरोना से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा फैसला लिया है। यहां 5-11 साल के बच्चों को फाइजर कोरोना वैक्सीन की 2 डोज लगाने की मंजूरी दे दी गई है। यह फैसला तब लिया गया, जब कुछ कंपनियों ने इस एज ग्रुप के हजारों बच्चों के क्लिनिकल ट्रायल के लिए एप्लिकेशन भेजी। नतीजों में सामने आया कि 16 से 25 साल के एज ग्रुप में वैक्सीन का जो प्रभाव था, वही 5 से 11 साल के एज ग्रुप में भी दिखा। कनाडा स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ट्रायल के स्वतंत्र रिव्यू करने के बाद हम बच्चों को भी वैक्सीन का लाभ देना चाहते हैं। 5 से 11 साल के बच्चों में भी यह वैक्सीन 90त्न प्रभावी पाई गई है। इसके अलावा इसके कोई गंभीर साइड इफेक्ट भी नहीं दिखाई दिए हैं। अभी तक इस एज ग्रुप में सुरक्षा संबंधी कोई समस्या सामने नहीं आई है और इस पर लगातार नजर रखी जाएगी।

कनाडा स्वास्थ्य विभाग ने क्या गाइडलाइंस जारी कीं

- 5-11 साल के बच्चों को फाइजर वैक्सीन की दो डोज लगाई जाएंगी।
- बच्चों को दी जाने वाली वैक्सीन की दोनों डोज के बीच 8 हफ्ते का अंतर रहेगा।
- बच्चों को 10MCG की डोज दी जाएगी, वयस्कों को 30MCG की डोज दी जा रही है।
- अगर किसी बच्चे को पहले कोरोना हो चुका है तो उसे डोज तभी दी जाएगी जब मौजूदा मानकों के आधार पर उसे संक्रमित नहीं माना जाएगा।
- 2 डोज के बीच का अंतर वयस्कों को दी जाने वाली डोज के अंतर के आधार पर तय किया गया। इसमें सामने आया है कि दो डोज के बीच लंबे अंतराल के बाद डोज दिए जाने पर इम्यूनिटी ज्यादा मजबूत होती है।
- बच्चों के वैक्सीनेशन और उसके प्रभाव पर लगातार नजर रखी जाएगी, उसका रिव्यू किया जाएगा और उस आधार पर रिकमंडेशन को अपडेट भी किया जाएगा।

अमेरिका-इजराइल में भी बच्चों को लग रही फाइजर की वैक्सीन

कनाडा की करीब 75 फीसदी जनता पूरी तरह से वैक्सीनेटेड हो चुकी है। इनमें 84 फीसदी 12 साल से ऊपर के हैं। कनाडा के अलावा इजराइल और अमेरिका ने भी बच्चों के लिए फाइजर की वैक्सीन को मंजूरी दी है। चीन, UAE, कम्बोडिया और कोलंबिया में भी 12 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन लगाई जा रही है। हालांकि, यहां बच्चों को चाइनीज वैक्सीन दी जा रही है।

पहले 16 साल के ऊपर वालों को फाइजर लगाने की मंजूरी दी थी

कनाडा ने इससे पहले 12-15 साल तक के बच्चों के लिए फाइजर की वैक्सीन को मंजूरी दी थी। तब यह बच्चों के लिए मंजूरी पाने वाली दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन बन गई थी। तब ट्रायल्स में ये वैक्सीन 12-15 साल के बच्चों पर 100त्न प्रभावी साबित हुई थी। जिन्हें यह वैक्सीन लगी, उनमें से कोई भी वायरस से संक्रमित नहीं हुआ।

अमेरिकी जॉइंट चीफ ऑफ स्टॉफ के वाइस चेयरमैन बोले

चीन मिसाइल से अमेरिका पर कर सकता है परमाणु हमला, चीन ने इस आरोप से साफ इनकार किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के वाइस चेयरमैन जॉन हाइटेन ने कहा कि चीन द्वारा 27 जुलाई को लॉन्च की गई हाइपरसोनिक मिसाइल ने आवाज की गति से 5 गुना अधिक रफ्तार से दुनिया का चक्कर लगाया था। इसने एक हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन गिराया, जो अपने लक्ष्य को भेदने के लिए वापस चीन लौटा। उन्होंने चेतावनी दी है कि चीन अमेरिका पर कभी भी इस तरह की परमाणु मिसाइलों से हमला कर सकता है। सीबीएस न्यूज से बात करते हुए अमेरिकी सेना के दूसरे शीर्ष अधिकारी हाइटेन ने कहा, चीन की यह मिसाइल लक्ष्य के कुछ किलोमीटर से अपने निशाने को भेदने में चूक गई लेकिन यह पहली बार हुआ है जब किसी देश ने एक हाइपरसोनिक हथियार भेजा है। वहीं, चीन ने इस मिसाइल के परीक्षण से साफ इनकार किया है।

चीन मिसाइल रखने के नए ठिकाने बनाने में जुटा है

हाइटेन ने कहा कि चीन अपनी युद्ध क्षमताओं और मिसाइल रखने के लिए लगातार नए ठिकाने बना रहा है। वह अपनी क्षमताओं को इतना बढ़ाने में सक्षम हो सकता है कि अमेरिका पर अचानक परमाणु हमला कर सके। चीन ने पिछले 5 साल में सैकड़ों हाइपरसोनिक परीक्षण किए जबकि अमेरिका ने केवल 9 परीक्षण किए हैं।

लातेहार जिले में तोरी-लातेहार रेल लाइन पर रिचुगुटा स्टेशन-डेमू स्टेशन के बीच भाकपा-मोइस्ट विद्रोहियों द्वारा एक रेलवे ट्रैक को उड़ा दिए जाने के बाद सुरक्षा बलों और दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के अधिकारी घटनास्थल की जांच कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर फ्रेंड लिस्ट से क्राइम ट्रेंड खोजेगी पुलिस, 8 सॉफ्टवेयर कंपनियां करती हैं लाखों यूजर्स की ट्रेकिंग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लॉस एंजिल्स

अपराध पर नियंत्रण और अपराध होने की सूरत में अपराधियों की धरपकड़ के लिए अमेरिका की लॉस एंजिल्स पुलिस ने ऑनलाइन जासूसी शुरू की है। इसमें सोशल मीडिया कंपनियों जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम के लाखों यूजर्स की ट्रेकिंग की जा रही है। लॉस एंजिल्स पुलिस की इस ऑनलाइन जासूसी का हाल ही में खुलासा हुआ है। पुलिस ने आठ सॉफ्टवेयर कंपनियां सोशल मीडिया पर यूजर्स के पोस्ट, लाइक और शेयर को ट्रेक करती है। इसके जरिए पूरा डेटा तैयार किया जाता है। इससे सर्विलांस वाले यूजर्स की फ्रेंड लिस्ट से भी एक चेन तैयार की जाती है। यानी कि यदि कोई यूजर्स का कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं भी हो तो भी उसके फ्रेंड लिस्ट में भी किसी भी ऐसा पोस्ट किया हो जिससे कि उसके क्राइम से जुड़े होने के बारे में संकेत मिले तो उसे संदिग्ध मान कर जांच की जाती है। सॉफ्टवेयर कंपनियां इसके लए आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) और एल्गोरिदम का प्रमुख रूप से इस्तेमाल करती हैं। यूजर्स के प्राइवेट और पब्लिक चैट पर भी सर्विलांस की जाती है। लॉस एंजिल्स में बढ़ती अपराध की दर के कारण पुलिस ने ये तरीका अपनाया है।

न्यूज ब्रीफ

राजस्थान के जालोर में देर रात महसूस किए गए भूकंप के झटके

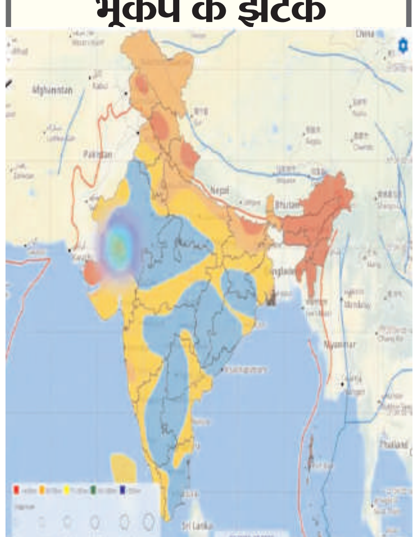

जयपुर। राजस्थान के जालोर में शुक्रवार देर रात करीब 2 बज कर 26 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फोर सिस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.6 थी। इससे जिले में अभी तक किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग डर कर अपने घरों से बाहर निकल आए। बता दें, इससे पहले गुरुवार को राजस्थान के जोधपुर जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। ये भूकंप तड़के 3.30 बजे महसूस किया गया था। वहीं, जानकारी के मुताबिक जिले के आबूरोड़, स्वरूपगंज और पिंडवाडा समेत कई इलाकों में भूकंप के झटकों को महसूस किया गया था। गुजरात के वडोदरा में एक लड़की के परिजनों ने उसके 20 साल के प्रेमी को पीट-पीटकर मार दिया। वडोदरा के पाडरा इलाके की इस घटना में लड़की की मां ने दोनों को आपस में बात करते हुए देख लिया था। इसके बाद लड़की के पिता व अन्य परिजनों ने युवक को पकड़कर पेड़ से बांध दिया और उसकी मौत हो जाने तक पीटते रहे। पुलिस अधीक्षक सुधीर देसाई के मुताबिक, लड़की के पिता, दादा, चाचा और भाई के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गुरुग्राम में स्वर्गीय मिल्खा सिंह की जयंती पर फ्लाइंग सिख मिडनाइट रन में भाग लेते लोग

इलिनॉय यूनिवर्सिटी की स्टडी:साथी करीब हो तो बुढ़ापे में भी एक जैसे धड़कते हैं दिल

धड़कनों का पैटर्न ऐसा होता है- मानो वे बात कर हों

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अगर रिश्ता नया-नया है तो साथी के करीब होने पर भावनात्मक असर पड़ना सामान्य सी बात है, पर आपको यह जानकर हैरानी होगी कि बुढ़ापे में भी ऐसा होता है। बुजुर्ग दंपतियों के एक साथ होने पर उनकी धड़कनें समान हो जाती हैं। एक-दूसरे की मौजूदगी से उनके अवचेतन मन भी साथ हो जाते हैं, इसका असर उनके दिल की धड़कनों पर पड़ता है। अमेरिका की इलिनॉय यूनिवर्सिटी की ताजा स्टडी में यह दावा किया गया है। स्टडी के लेखक और संबंधों पर शोध कर रहे डॉ. ब्रायन ओगोल्स्की बताते हैं, 'हम संबंधों की गतिशीलता को मापने के लिए उद्देश्यपूर्ण तरीके तलाश रहे थे। यह तथ्य तो पहले से ही पता है कि प्रिय लोगों की मौजूदगी से मनोवैज्ञानिक फायदे होते हैं। इसलिए शारीरिक करीबी की अहमियत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। और जब दो शख्स 30-40 वर्षों से साथ हैं, तो यह अपने आप में बड़ी प्रतिबद्धता दिखाता है। डॉ. ओगोल्स्की के मुताबिक उनका फोकस करीबी के कारण और असर पर नहीं था। लेकिन यह तो पता चल ही गया है कि जब आपका कोई साथी करीब होता है तो दिल की धड़कनें समकालिक पैटर्न में चलती हैं। यानी दोनों की दिल की धड़कनों का पैटर्न ऐसी बातचीत का संकेत देता है, जो कुल मिलाकर सार्थक ही होती है। स्टडी में यह भी पता चला कि बुजुर्ग जोड़ों की हार्ट रेट लीड-लैग संबंधों के साथ तालमेल बिठाती है। इसमें साथ रहने पर हर जोड़े में एक साथी धड़कनों में बदलाव का नेतृत्व करता है, यानी कभी पति तो कभी पत्नी। यह संबंधों के नाजुक संतुलन की ओर इशारा करता है। स्टडी में 64 से 88 साल उम्र वर्ग के दंपतियों को शामिल किया गया था। ये अपने साथियों के साथ 14 से 65 साल का वक्त बिता चुके हैं। इन्हें फिटबिट सेंसर डिवाइस दिए गए थे। साथ ही करीबी जानने के लिए घर के चारों ओर फिक्स्ड सेंसर लगाए गए थे। शोधकर्ताओं ने पति और पत्नी की हार्ट रेट को अलग और साथ रहने पर मॉनिटर किया। शोधकर्ताओं का दावा है कि इस आधार पर दूसरे बुजुर्ग दंपतियों की भी करीबी का अनुमान लगा सकते हैं। डॉ. ओगोल्स्की बताते हैं, जैसे-जैसे जोड़े एक साथ बूढ़े होते हैं, उनकी एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ती जाती है। ऐसे में वे एक-दूसरे के शारीरिक और भावनात्मक समर्थन का प्राथमिक स्रोत बन जाते हैं। लंबे वैवाहिक जीवन का दोनों की सेहत पर भी सकारात्मक असर होता है। स्टडी में यह भी पता चला है कि करीबी हमेशा फायदेमंद हो यह जरूरी नहीं।

अमेरिकी संसद में मैराथन स्पीच

ट्रम्प की पार्टी के सांसद ने 8 घंटे से ज्यादा बोलकर रिकॉर्ड बनाया, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन का अहम बिल अटका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेंजेटेटिव्स में गुरुवार को राष्ट्रपति जो बाइडेन के 'बिल्ड बैक बैटर' बिल पर वोटिंग नहीं हो सकी। इसका बजट 1850 अरब डॉलर है। बिल पर वोटिंग न हो पाने की वजह बना अमेरिकी सीनेट के अंदर आज तक के रिकॉर्ड तोड़ने वाला सबसे लंबा भाषण। करीब 8 घंटे 32 मिनट का यह भाषण रिपब्लिकन सीनेटर केविन मैक्कार्थी ने दिया। केविन सीनेट की मौजूदा हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में 8 घंटे 7 मिनट लंबी स्पीच दी थी। खास बात यह है कि हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी चाहती थीं कि इस बिल पर वोटिंग हो जाए, लेकिन केविन ने भाषण का वक्त कम करने से इनकार कर दिया। लिहाजा, वोटिंग अटक गई।

फालतू खर्च रोकना चाहता हूं

केविन ने भाषण की शुरुआत में ही कहा- मैं चाहता हूं कि डेमोक्रेट्स गैरजरूरी खर्च न करें। हम उन्हें इस तरह का बिल पास करने से पहले वॉर्निंग देना चाहते हैं। कुछ सुझाव हैं, उन्हें मान लेना चाहिए। बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी सत्ता में है और डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी विपक्ष में। डेमोक्रेटिक सांसद चाहते थे कि बिल पर जल्द बहस पूरी की जाए और वोटिंग हो जाए, लेकिन केविन ने ऐसा होने नहीं दिया। लंबे भाषण के लिए सोशल मीडिया पर केविन और रिपब्लिकन्स की आलोचना भी हो रही है। सत्ता पक्ष के नेता स्टेने होयर ने संसद की कार्रवाई शुरू होने पर कहा- हम जल्द ही इस बिल पर वोटिंग करेंगे।

लोग सूरत में आगा नदी के ऊपर उड़ने वाले साइबेरियन सीगल के झुंड को खाना खिलाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अबू धाबी टी10 लीग : गेल और मर्चेंट डी लैंग चमके, टीम अबू धाबी को बांग्ला टाइगर्स को हराया

अबू धाबी। अबू धाबी टी10 लीग में मर्चेंट डी लैंग के पांच विकेट चटकाने के बाद क्रिस गेल और पॉल स्टर्लिंग की क्रमशः 49* और 59 रनों की पारी की बदौलत टीम अबू धाबी ने जायद क्रिकेट स्टेडियम में बांग्ला टाइगर्स को 40 रन से हराया। गेल की 23 गेंदों में 49 रनों की नाबाद पारी और 23 गेंदों पर स्टर्लिंग की 59 रनों की पारी ने टीम अबू धाबी को 10 ओवरों में कुल 145/4 स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आंद्रे फ्लेचर ने टाइगर्स की पारी के पहले ओवर में शेल्डन कॉटरेल को तीन चौके और दो छक्के मारे। हालांकि टाइगर्स को बड़ा झटका लगा जब मार्चेंट डी लैंग ने कप्तान फाफ डुप्लेसिस को अगले ही ओवर में डक पर आउट कर दिया। विकेट के बाद जॉनसन चार्ल्स और आंद्रे फ्लेचर ने एक-एक छक्का लगाया लेकिन बाद वाले दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर 24 रन (8 गेंद) पर आउट हो गए। टीम अबू धाबी ने टाइगर्स पर और भी दबाव डाला जब कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ने तीसरे ओवर में चार्ल्स को 7 रन (4 गेंद) पर आउट किया और उसके बाद जेमी ओवरटन ने विल जैक (5 गेंदों में 1 रन) को आउट कर टाइगर्स को 3.3 में ओवर 43/4 पर छोड़ दिया। बांग्ला टाइगर्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और 10 ओवर में केवल 105 रन ही बना पाई और मैच हार गई।

डिविलियर्स से मिली सलाह को हर्षल ने किया याद, कहा- उनका मेरे करियर पर बड़ा असर रहा है

रांची। आईपीएल के दौरान एबी डिविलियर्स से मिली सलाह को याद करते हुए भारत के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के पूर्व साथी खिलाड़ी का उनके करियर पर बड़ा असर रहा है। हर्षल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के जरिये शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और 25 रन देकर दो विकेट लिए। भारत ने मैच सात विकेट से जीता और हर्षल मैन आफ द मैच रहे। इसी दिन दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटर डिविलियर्स ने क्रिकेट के सारे प्रारूपों से संन्यास की घोषणा भी की। हर्षल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'एबी का मेरे कैरियर पर बड़ा असर रहा है। मैं हमेशा उन्हें चुपचाप देखता आया हूं। हाल ही में यूएई में मैंने उनसे पूछा कि बड़े ओवरों में किफायती गेंदबाजी कैसे करूं। उन्होंने कहा कि जब बल्लेबाज अच्छी गेंद को भी पीटे तो भी बदलाव मत करो। अच्छी गेंदों को मारने के लिये बल्लेबाज को मजबूर करो क्योंकि वह सोचेगा कि आप दूसरी गेंद डालोगे लेकिन ऐसा होगा नहीं।% उन्होंने कहा, 'आईपीएल के दूसरे चरण में यह बात मेरे जेहन में रही और अब पूरे कैरियर में रहेगी।% हर्षल ने आईपीएल के इस सत्र में सर्वाधिक विकेट लिए। अमरीकी ग्रीनकार्ड धारक हर्षल अपने बड़े भाई के कहने पर भारत में रूके थे।

बीसीसीआई ने भेजा राष्ट्रपति को आमंत्रण पत्र : ग्रीन पार्क आ सकते है राष्ट्रपति मैच देखने, सुरक्षा एजेंसी ने शहर पुलिस से मांगा ब्योरा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शहर में 25 तारीख को होने जा रहे भारत और न्यूजीलैंड टेस्ट के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का शामिल होना तय हो गया है। दूसरी तरफ बीसीसीआई ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी इस मैच का आमंत्रण पत्र भेजा है। वह स्वीकृति देते हैं तो सुरक्षा प्लान में बदलाव कर उन्हें ग्रीन पार्क ले जाया जाएगा।

24 को कानपुर में होंगे राष्ट्रपति...

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 24 नवम्बर को शहर में होंगे। उनके कार्यक्रमों की स्वीकृति राष्ट्रपति भवन से आ चुकी है। इसमें फिलहाल मैच का जिक्र नहीं है, क्योंकि बीसीसीआई ने अब उद्घाटन समारोह में चीफ

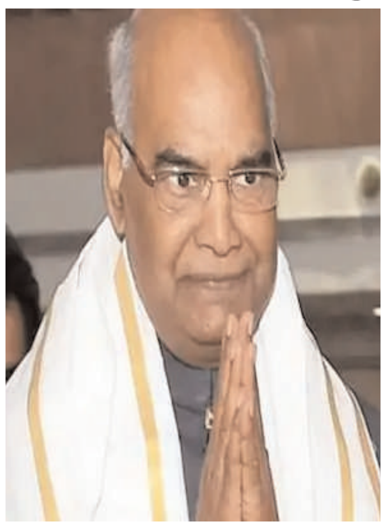

गेस्ट के तौर पर आमंत्रण पत्र भेजा है। इस पर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलती है तो वह 25 को पहले ग्रीन पार्क जाएंगे। वहां से एचबीटीयू के लिए रवाना होंगे।

सुरक्षा एजेंसी ने मैच के लिए शहर की पुलिस से मांगा ब्योरा...

राष्ट्रपति की सुरक्षा में लगी एजेंसियों ने मैच को लेकर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों से सूचना मांगी है। उनसे पूछा गया है कि ग्रीन पार्क जाना कितना सुरक्षित हो सकता है। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक राष्ट्रपति का उद्घाटन समारोह में जाना मुश्किल है मगर वह स्वीकृति देते हैं तो पुलिस इसके लिए भी पूरी तरह से तैयार है।

गावस्कर इंग्लिश में करेंगे कमेंट्री जबकि गौतम गंभीर, पठान और लक्ष्मण हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल

ग्रीन पार्क में होने वाले टेस्ट मैच के लिए स्टार स्पोर्ट्स की ओर से कमेंट्री पैनल जारी कर दिया गया है। कमेंट्री पैनल को हिंदी और इंग्लिश 2 भाषाओं में बांटा गया है। स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी किए गए कमेंट्री पैनल में अंग्रेजी कमेंटेटर में 6 के नाम दिए गए हैं, जबकि हिंदी कमेंटेटर टीम में 8 लोग बताए गए हैं। टेस्ट मैच में कमेंट्री पैनल में दोनों ही भाषाओं में कुछ नाम और बढ़ाई जा सकते हैं। स्टार स्पोर्ट की तरफ से जारी की गई इंग्लिश भाषा में कमेंटेटर में 6 नाम दिये गये हैं। जिनमें दीप दास गुप्ता, सुनील गावस्कर, मुरली कार्तिक, एल शिवरामकृष्णन, डोमिनिक कॉर्क, सिमोन डाल आदि नाम हैं। यह सभी अंग्रेजी की कमेंट्री करेंगे। इनमें कुछ नाम और बढ़ाये जा सकते है।

हिन्दी कमेंट्री पैनल में हैं 8 नाम...

वहीं हिंदी भाषा में कमेंट्री करने के लिए 8 नामों की सूची स्टार स्पोर्ट्स द्वारा जारी की गई है जिनमें प्रमुख रूप से जतिन सप्रु, निखिल चोपड़ा, सबा करीम, गौतम गंभीर, इरफान पठान, संजय बांगर, वीवीएस लक्ष्मण, आकाश चोपड़ा दिख सकते हैं।

रोहित शर्मा ने बनाए 6 रिकॉर्डःन्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में

रोहित शर्मा ने आजम, कोहली और रिजवान के रिकॉर्ड की बराबरी की

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत ने रांची में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराकर तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त लेने के साथ ही सीरीज पर कब्जा कर लिया है। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 55 रनों की पारी खेली। साथ ही उन्होंने इस मैच में 6 रिकॉर्ड अपने नाम किया। चलिए हम आपको इस मैच में रोहित के बनाए 6 रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

सबसे कम मैचों में 10 जीत हासिल करने वाले भारतीय कप्तान बने

रोहित शर्मा बतौर कप्तान घर में सबसे कम मैचों में 10 जीत हासिल करने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को घर में 11 में से 10 टी-20 मैच में जीत दिलाई है। विराट कोहली और एमएस धोनी ने यह उपलब्धि 15 मैचों में हासिल की है।

13वीं बार शतकीय साझेदारी

रोहित शर्मा बतौर खिलाड़ी टी-20 इंटरनेशनल में 13 बार 100 से अधिक

रन की पार्टनशिप कर चुके हैं। ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने केएल राहुल के साथ 5 बार, शिखर धवन के साथ 4 बार, विराट कोहली के साथ 3 बार और सुरेश रैना के साथ एक बार 100 से अधिक रन जोड़े हैं।

केएल राहुल के साथ रिजवान और आजम की रिकॉर्ड की बराबरी

मैच में रोहित शर्मा और केएल राहुल ने शतकीय साझेदारी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 117 रन जोड़े। इसके साथ ही दोनों बतौर ओपनर पांचवीं बार शतकीय पार्टनरशिप की। इस शतकीय साझेदारी के साथ ही उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रिजवान और आजम ने बतौर ओपनर सबसे अधिक 5 बार शतकीय साझेदारी की है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 450 छक्के पूरे किए

रोहित शर्मा ने इस मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 55 रनों की पारी में 5 छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 450 छक्के पूरे किए। उनसे पहले क्रिस गेल और शाहिद अफरीदी ही ऐसा कर चुके हैं। रोहित पहले भारतीय हैं, जिन्होंने 450 छक्के लगाए हैं। रोहित के इंटरनेशनल क्रिकेट में 454 छक्के हो गए हैं।

25वीं बार 50 से अधिक रन बनाकर जीत दिलाई

रोहित शर्मा टी-20 इंटरनेशनल में 25वीं बार 50 से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वे तीन बार शतक और 22 बार अर्धशतक लगाकर ऐसा कर चुके हैं। दुनिया का अन्य कोई खिलाड़ी ऐसा नहीं कर सका है। विराट कोहली 20 बार यह कारनामा करके दूसरे नंबर पर हैं।

कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी की

रोहित शर्मा ने विराट कोहीली के टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। कोहली 29 बार यह कारनामा कर चुके हैं। रोहित ने टी-20 में 4 शतक और 25 अर्धशतक लगाए हैं। कोहली अब तक टी-20 में शतक नहीं लगा सके हैं। टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड रोहित के ही नाम है।

सिक्योरिटी तोड़कर रोहित के पैर छूने मैदान में पहुंचा

सामने आकर लेट गया

नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को खेले गए दूसरे टी-20 मैच में जब टीम इंडिया फील्डिंग कर रही थी उस समय एक शख्स अचानक सिक्योरिटी तोड़कर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पास जा पहुंचा। वो उनके सामने नतमस्तक हो गया। हिटमैन ने भी हाथ उठाकर फैन की ओर इशारा किया। उनके इशारे से ये लग रहा था कि जैसे वो अपने फैन को आशीर्वाद दे रहे हैं। तभी गार्ड आए और फैन को अपने साथ ले गए। मैच के बीच में जिस तरह से फैन दर्शक बीच मैदान में घुसा उसके बाद सुरक्षा को लेकर कई सवाल भी खड़े होने लगे हैं। दर्शक जिस पवेलियन से मैदान में घुसा वह ङ्कङ्कढ्ढक्क के लिए रिजर्व है उस जगह पर किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं होती है, लेकिन रोहित का फैन सबको चकमा देकर अपने फेवरेट क्रिकेटर के पास पहुंच गया। सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो वायरल हो रहे हैं।

जब रोहित को फैन करना चाहता था किस

साल 2018 के विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित मुंबई के लिए खेल रहे थे तभी अचानक मैच के दौरान एक फैन रोहित के पास आ गया था। उसने पहले हिटमैन के पैर छुए फिर उसने जबर्दस्ती रोहित को किस करने की कोशिश की थी, जिसके बाद रोहित ने उसे रोक दिया था। इसके बाद फैन को मैदान से बाहर किया गया।

कोलकाता। टाटा स्टील इंडिया शतरंज मे रैपिड मुकाबलों के तीसरे दिन भी भारत के अर्जुन एरिगासी नें इतिहास रचते हुए खिताब जीत लिया और इसके साथ ही विश्वनाथन आनंद के बाद टाटा स्टील इंडिया शतरंज का कोई भी खिताब जीतने वाले अर्जुन दूसरे खिलाड़ी बन गए है । तीसरे दिन के शुरुआत मे अर्जुन नें एक अंक की बढ़त के साथ शुरुआत की और उन्होने पहले हमवतन अधिबन भास्करन और फिर विदित गुजराती से खेलते हुए अंतिम राउंड के पहले भी एक अंक की बढ़त को बनाए रखा।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर बैडमिंटन चैंपियनशिप : सिंधु-श्रीकांत सेमी में पहुंचे, क्वार्टरफाइनल में किंदाबी ने प्रणॉय को हराया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। किदांबी ने क्वार्टर फाइनल में एच एस प्रणॉय को हराया। प्रणॉय ने इस मैच के दूसरे सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन श्रीकांत इस मैच में पुरानी लय में दिखे और उन्होंने प्रणॉय को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने प्रणॉय को 21-7, 21-18 से हराया। प्रणॉय ने इससे पहले इतिहास रचते हुए ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट क्विक्टर एक्सेलसेन को हरकार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

35 मिनट के खेल में यिगिट को हराया

सिंधु ने क्वार्टर फाइनल के चले 35 मिनट के खेल में तुर्की की नेसलिहान यिगित को 21-13, 21-10 से हराया। इस जीत के साथ ही यिगिट के खिलाफ सिंधु का रिकॉर्ड 4-0 का हो चुका है। इससे पहले उन्होंने डेनमार्क ओपेन में भी इस खिलाड़ी को हराया था।

पीवी सिंधु ने नेस्लीहान यिगित और किदांबी श्रीकांत ने प्रणॉय को हराया

सेमीफाइनल में इनसे भिड़ेंगे

सेमीफाइनल में सिंधु और किदांबी का राह कठिन है। सिंधु का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा। उन्हें इस टूर्नामेंट में टॉप सीड दी गई है। सिंधु के अब तक थोड़े कमजोर खिलाड़ियों से हुए थे, लेकिन सेमीफाइनल मुकाबला उनके लिए काफी मुश्किल रहने वाला है। वहीं श्रीकांत का सामना थाइलैंड के कुनलवुत या डेनमार्क के एंडर्स से होगा। एंडर्स को इस टूर्नामेंट में तीसरी सीड दी गई है।

यामागुची को 12 बार हरा चुकी हैं सिंधु

सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबाला जापान की यामागुची के साथ है। सिंधु का रिकॉर्ड बेहतर है। यामागुची मौजूदा समय में वर्ल्ड की तीसरे नंबर की खिलाड़ी हैं उन्होंने 12 बार जापानी खिलाड़ी को हराया है, जबकि सात बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। पिछले दो सालों में इस दोनों के बीच दो मुकाबले हुए हैं और दोनों मैच सिंधु ने जीते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जापान ने 490 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी

नई दिल्ली। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को संकट से बाहर निकालने के लिए शुक्रवार को रिकॉर्ड 490 अरब डॉलर (56,000 अरब एन) के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल गई है। प्रस्ताव में लोगों को नकद सहायता और बुरी तरह से प्रभावित व्यवसायों को आर्थिक सहायता प्रदान करना शामिल है। प्रधानमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि पैकेज में लोगों में सुरक्षा और आशा की भावना जगाने के लिए पर्याप्त धन का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रस्ताव को बाद में मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा गया था। मंत्रिमंडल ने इसे अपनी मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी की भी आवश्यकता होगी। बहरहाल, किशिदा ने त्वरित कार्वाई का वादा किया है और संसद की बैठक अगले महीने बुलाए जाने की संभावना है। किशिदा ने कहा कि योजना में लोगों को मौद्रिक सहायता के रूप में 100,000 एन (880 डॉलर) देने और प्रभावित व्यवसायों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

झारखण्ड में खाद्य प्रसंस्करण की असीम संभावनाएं: प्रहलाद पटेल

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड में खाद्य प्रसंस्करण की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में सब्जियों का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है और यहां मधु का उत्पादन बड़े पैमाने पर है। लिहाजा यहां इन उत्पादों से जुड़े बड़े उद्योग लगाए जा सकते हैं जिससे न सिर्फ राज्य की आय बढ़ेगी बल्कि आम लोगों को भी बहुत लाभ होगा। पटेल ने खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए राज्य के सभी चौबीस जिलों के साथ गिरिडीह में चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स और गिरिडीह के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि झारखंड के 24 जिलों में से 19 जिले आकांक्षी जिले हैं।

एलन मस्क दे रहे जॉब : भारत में शुरू होने वाली सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक में वैकेंसी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में नौकरियां ऑफर की हैं। कंपनी ने लिंक्डइन पर इसकी जानकारी शेयर की है। स्पेसएक्स में स्टारलिंक कंट्री डायरेक्टर इंडिया, संजय भारद्वाज ने लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब हम भारत के लिए दो रॉकस्टार की तलाश कर रहे हैं। योग्य उम्मीदवार अपना रेज्यूमे भेज सकते हैं। स्टारलिंग मस्क के रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट डिवीजन है। भारद्वाज ने लिखा कि ग्रामीण भारत से शुरू होने वाले परिवर्तन को तेज करने की दिशा में एक छोटा कदम है। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे नौकरियों के मौके खुलते जाएंगे। जब तक हमें व्यावसायिक तौर पर लाइसेंस नहीं मिल जाता, तब तक इसके लिए इंतजार करना होगा।

पोस्ट का नामः एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट, इंडिया

रिस्पॉन्सिबिलिटी- एक या एक से अधिक सी-लेवल अधिकारियों के लिए जरूरत के हिसाब से मीटिंग कोऑर्डिनेशन, कैलेंडर मैनेजमेंट, अपॉइंटमेंट लेना, ट्रैवल शेड्यूल अरेंज करना, कार्यक्रम की व्यवस्था करना, एजेंडा तैयार करना और दूसरी सहायता। रिकॉर्ड और सभी कानूनी डॉक्यूमेंट्स के साथ-साथ मेल और कस्टमर कॉरसपॉन्डेंस की समय पर डिलीवरी करना। मीटिंग्स और सोशल इवेंटस में स्पेसएक्स का प्रतिनिधित्व करना।

क्वालिफिकेशनः ग्रेजुएशन की डिग्री हो। एग्जीक्यूटिव लेवल पर 3 साल से ज्यादा का अनुभव होना चाहिए। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एप्लिकेशन और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर टूल्स का एक्सपीरिएंस हो। भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है और मौजूदा लोकेशन भी भारत की होना चाहिए।

स्किल और एक्सपीरियंसः एक हाई स्पीड स्टार्ट-अप वाले एन्वायरमेंट में हाई-लेवल एग्जीक्यूटिव का अनुभव हो। कम्प्यूटर के बारे में पूरी जानकारी हो। प्रोजेक्ट स्कोप डेवलप करने का एक्सपीरिएंस होना चाहिए। प्रोजेक्ट शेड्यूल मैनेजमेंट का भी अनुभव हो। कम्युनिकेशन स्किल मजबूत होना चाहिए। समस्याओं को हल करने के बारे में पहल करना आना चाहिए।

स्टारलिंक से सैटेलाइट इंटरनेट की स्पीड क्या होगी?

स्टारलिंक से सैटेलाइट इंटरनेट इस समय बीटा (टेस्टिंग) वर्जन में है। जहां तक स्पीड की बात है, डाउनलोड 50 एमबीपीएस से 150 एमबीपीएस के बीच है। यह लो-लेटेंसी इंटरनेट सर्विसेस 20 मिली सेकेंड्स से 40 मिली सेकेंड्स का समय लेता है। लेटेंसी यानी वह समय है जो डेटा एक पॉइंट से दूसरे तक पहुंचाने में लगता है। अमेरिका में स्पीडटेस्ट इंटेलिजेंस के नंबर बताते हैं कि स्टारलिंक सैटेलाइट ब्रॉडबैंड 97.23 एमबीपीएस डाउनलोड स्पीड दे रहा है, जबकि 13.89 एमबीपीएस अपलोड स्पीड। अमेरिका में वायर्ड ब्रॉडबैंड एवरेज डाउनलोड स्पीड 115.22 एमबीपीएस और अपलोड स्पीड 17.18 एमबीपीएस के आसपास है।

भारत में कब उपलब्ध होगा सैटेलाइट से इंटरनेट?

अगले साल भारत में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट उपलब्ध हो जाएगा। भारत में अभी रेगुलेटर से अप्रूवल की प्रक्रिया चल रही है। स्टारलिंक की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार 99 डॉलर, यानी करीब 7,200 रुपए में इसकी प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है। यह अमाउंट पूरी तरह से रिफंडेबल है। कुछ दिन पहले मस्क से एक ट्विटर हैंडल OnsetDigital ने पूछा कि स्टारलिंक सर्विसेस भारत में कब लॉन्च होंगी? इस पर मस्क ने जवाब दिया कि 'रेगुलेटर से अप्रूवल की प्रक्रिया पर काम चल रहा है।' साफ है कि जल्द ही भारत में सैटेलाइट से हाई-स्पीड इंटरनेट मिलने लगेगा, जो इस समय ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, UK, कनाडा, चिली, पुर्तगाल, USA समेत 14 देशों में मिल रहा है। इस समय स्टारलिंक ब्रॉडबैंड ने दुनियाभर में 90 हजार सब्सक्राइबर्स हासिल कर लिए हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा:सउदी अरामको के साथ डील पर बात अभी जारी, फिर से होगा वैल्यूएशन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि सउदी अरामको के साथ उसकी डील अभी तक ठंडी नहीं पड़ी है। कंपनी इस डील पर बात कर रही है और इसका मूल्यांकन नए सिरे से किया जाएगा।

अगस्त 2019 से बात जारी

गौरतलब है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और सउदी अरामको के बीच अगस्त 2019 से बात चल रही है। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के ऑयल टू केमिकल बिजनेस (OwC, तेल रिफाइनरी और पेट्रो रसान कारोबार) में सउदी अरामको 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदना चाहती है। हालांकि वैल्यूएशन को लेकर यह बात नहीं बन पाई। रिलायंस ने शुक्रवार देर रात एक बयान जारी किया। इसने कहा कि दोनों कंपनियों के बीच डील को लेकर बात जारी है।

15 अरब डॉलर की डील

रिलायंस और सउदी अरामको के बीच यह डील 15 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर चल रही है। कंपनी ने कहा कि फिर से वैल्यूएशन के लिए दोनों कंपनियों की मंजूरी है। पिछले तीन सालों में रिलायंस ने वैकल्पिक ऊर्जा में 10 अरब डॉलर का निवेश करके नए कारोबार में प्रवेश किया है। इस वजह से इस डील का मूल्यांकन फिर से किया जा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि रिलायंस और सउदी अरामको ने बदलते हालात में यह फैसला किया है कि OwC बिजनेस को रिलायंस से अलग नहीं किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि पिछले दो सालों में दोनों के बीच गहरे जुड़ाव हुए हैं और इससे दोनों को एक दूसरे को समझने के लिए समय भी मिला है। रिलायंस ने कहा कि O_2C कारोबार को अलग करने के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में किए गए आवेदन को वापस ले लिया गया है। रिलायंस ने NCLT की मुंबई और अहमदाबाद ब्रांच में यह आवेदन किया था।

केरल को छह महीने में 3,600 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धताएं मिलीं : मंत्री

नई दिल्ली। केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने शुक्रवार को कहा कि राज्य को पिछले छह महीनों में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के छह महीने पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर राजीव ने कहा कि राज्य को कई बड़े औद्योगिक घरानों से निवेश के प्रस्ताव मिल रहे हैं। उन्होंने हाल में काइटेक्स समूह विवाद को केरल की छवि बिगाड़ने का नियोजित प्रयास करार दिया। राजीव ने कहा, ''छह महीने (सरकार के सत्ता में आने के) में केरल को 3,600 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं... राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है।''

एक साल में 17 हजार पर्सेंट का रिटर्न

35 पैसा का शेयर 174 रुपए पर पहुंचा, जनवरी से अब तक 7,777 फीसदी का फायदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शेयर बाजार में आई जबरदस्त तेजी में अनेक कंपनियों का वैल्यूएशन ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। इस तरह की कंपनियों के शेयर्स में जोखिम तो है, पर इन्होंने जोखिम लेने वाले निवेशकों को मालामाल कर दिया है। फ्लोमिक ग्लोबल लॉजिस्टिक्स के शेयर ने इस साल में अब तक 7,777 फीसदी का फायदा दिया है।

लॉजिस्टिक कंपनी है फ्लोमिक ग्लोबल

फ्लोमिक ग्लोबल मूलरूप से लॉजिस्टिक कंपनी है। यह एक अंजान कंपनी है। इस कंपनी के शेयर का भाव पिछले ढाई सालों में 43,000 फीसदी बढ़ा है। 28 मार्च 2019 को इस शेयर का भाव 35 पैसा था। इस समय इसका भाव 174 रुपए है। गुरुवार को यह शेयर 5 फीसदी अपर सर्किट के साथ 174 रुपए पर बंद हुआ। पिछले साल 18 नवंबर को इसका भाव 1.28 रुपए था। इस आधार पर इसने एक साल में 12,000 फीसदी का फायदा दिया है। जबकि 28 अक्टूबर 2021 को इसका भाव एक साल के ऊपरी स्तर 216 रुपए पर था।

अपर सर्किट के साथ बंद हो रहा है शेयर

इसी मंगलवार को भी यह शेयर अपर सर्किट के साथ 150 रुपए के पार पहुंचा था। इसका मार्केट कैप केवल 125 करोड़ रुपए का है। इस शेयर का एक साल का निचला भाव देखें तो 2020 में 13 नवंबर को 1.22 रुपए पर था। हालांकि अक्टूबर 2021 से लेकर अब तक इसके भाव में 30 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। इस कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 27.49 फीसदी है जबकि जनता के पास इसकी हिस्सेदारी 72.51 फीसदी है। कुल 536 पब्लिक शेयर होल्डर्स हैं जिनके पास 52.20 लाख शेयर्स इस कंपनी के हैं। इसमें से 488 शेयर होल्डर्स के पास केवल 2.03 फीसदी शेयर हैं। मात्र 38 शेयर धारकों के पास 49.54 फीसदी शेयर है। विदेशी निवेशकों के पास इस कंपनी का कोई शेयर नहीं है। फ्लोमिक ग्लोबल लॉजिस्टिक्स बिजनेस में है। कंपनी वेयरहाउसिंग, डिस्ट्रिब्यूशन, कस्टम ब्रोकिंग, कार्गो और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्टेशन जैसी सेवा देती है। वित्तीय मोर्चे पर देखें तो कंपनी को सितंबर तिमाही में केवल 70 लाख रुपए का फायदा था। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 85 लाख रुपए का फायदा हुआ था। कंपनी का रेवेन्यू देखें तो वित्तवर्ष 2020-21 में 165 करोड़ रुपए था जो कि जून तिमाही में 55.61 करोड़ रुपए था। हालांकि जून तिमाही में इसे 92 लाख रुपए का घाटा हुआ था। लेकिन 2020-21 में इसे 2.47 करोड़ रुपए का फायदा हुआ था।

रेवेन्यू घाटा पर सख्त : हाईकोर्ट ने कहा, 28 हजार करोड़ के राजस्व घाटे की जांच क्यों नहीं कराई जाए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजस्थान में लिग्नाइट के खनन में धांधली पर हाईकोर्ट सख्त हो गया है। इसने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार बताएं कि 28 हजार 28 करोड़ रुपए रेवेन्यू के नुकसान के मामले में क्यों नहीं जांच कराई जाए। साथ ही कोर्ट ने केंद्रीय कोयला मंत्रालय के प्रमुख सचिव, राज्य के मुख्य सचिव, प्रमुख ऊर्जा सचिव और प्रमुख खान सचिव को भी जवाब देने के लिए कहा है।

एमडी और सचिवों से भी जवाब मांगा गया

इसी तरह से लिग्नाइट माइनिंग कंपनी बाड़मेर के प्रबंध निदेशक और राजस्थान खान विभाग के भी एमडी से भी जवाब देने के लिए कोर्ट ने कहा है है। यह निर्देश लोक संपत्ति संरक्षण समिति के अध्यक्ष रविंद्र सिंह चौधरी की जनहित याचिका पर दिया गया है। जनहित याचिका में राज्य और केंद्र सरकार पर 2,468 करोड़ रुपए कैग ऑडिट पेन्लटी न वसूलने और निजी कंपनी पर कार्रवाई न करने का आरोप भी लगाया गया है।

जनहित याचिका में लगाया गया आरोप

जनहित याचिका में आरोप लगाया गया कि बाड़मेर में कापूर्डी और जालिपा लिग्नाइट खान को सार्वजनिक उपक्रम रूट में को आवंटित किया गया था लेकिन इसने इन खानों को बिना केंद्र सरकार की मंजूरी लिए ही बाड़मेर लिग्नाइट माइनिंग कंपनी को ट्रांसफर कर दिया। इसमें निजी कंपनी जिंदल समूह की 49 फीसदी हिस्सेदारी है। JSW द्वारा प्रमोटेड कंपनी BLMCL केंद्र सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए राजस्थान में माइनिंग का काम कर रही है। इस मामले में कई बार महालेखा परीक्षक (कैग) और अन्य अथॉरिटी ने कंपनी को काम बंद करने और बकाया वसूलने का आदेश दिया, पर कंपनी ने इन आदेशों को कोई तवज्जो नहीं दिया।

कम मांग के बावजूद उत्पादन बढ़ाने में जुटे वैक्सीन निर्माता

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 टीके के बूस्टर शॉट या तीसरी खुराक की अनुमति देने के बारे में फैसला करने के लिए बहुत ज्यादा प्रत्याशित बैठक के पहले टीका बनाने वाली कंपनियां क्षमता बढ़ाने की कवायद में जुट गई हैं। आबादी के एक तबके (अगली पंक्ति में काम करने वाले लोगों) को तीसरी खुराक देने के अलावा अगर बच्चों को टीके लगाने की शुरुआत होती है तो इससे मांग और बढने की संभावना है। उम्मीद की जा रही है कि आबादी के कुछ तबके को बूस्टर शॉट की अनुमति देने की स्थिति की समीक्षा के लिए अगले सप्ताह बैठक हो सकती है। दवा नियामक ने अभी बच्चों का टीकाकरण शुरू करने की अनुमति भी नहीं दी है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।